छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 211 ■ अम्बिकापुर, शुक्रवार 14 अगस्त 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

स्वतंत्रता दिवस पर प्रदेश के 5 केंद्रीय जेलों में निरुद्ध 101 कैदियों की मिली आजादी

15 अगस्त से पहले बड़ा फैसला, अच्छे आचरण पर समय-पूर्व रिहाई, अंबिकापुर से 16 रिहा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। स्वतंत्रता दिवस 2026 के पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ सरकार ने मानवीय फैसला लेते हुए प्रदेश के 5 केंद्रीय जेलों में बंद आजीवन कारावास प्राप्त 101 बंदियों को समय-पूर्व रिहा कर दिया है। अंबिकापुर के केंद्रीय जेल से 13 अगस्त को 8 कैदियों की रिहाई हुई है। आज 14 अगस्त को 8 अन्य कैदियों की रिहाई सुनिश्चित है। 13 अगस्त को जब कैदियों के रिहाई का पल आया, तो वे भावुक हो गए और उनकी आंखें नम हो गईं।

जेल विभाग द्वारा जारी सूची के अनुसार, 13 अगस्त से 18 अगस्त के बीच चरणबद्ध तरीके से कैदियों को रिहा किया जाएगा। जेल नियमावली 358 के तहत समीक्षा बोर्ड की सिफारिश पर अच्छे आचरण वाले कैदियों को यह लाभ दिया गया है। इसके लिए बनाए गए रोस्टर के मुताबिक 13-14 अगस्त को प्रदेश भर के जेलों से 49 कैदी और 14 अगस्त को 45 कैदी रिहा होंगे। यानी स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले 94 कैदी जेल से बाहर आ जाएंगे। जेल विभाग के नोट के अनुसार 17 एवं 18 अगस्त को भी बंदियों की रिहाई होगी। इसके बाद कुल 101 बंदियों की समय-पूर्व रिहाई की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

आजीवन कारा से दंडित कैदियों के जेलवार आंकड़े

केन्द्रीय जेल रायपुर-13 अगस्त को 9, 14 अगस्त को 14।
केन्द्रीय जेल बिलासपुर-13 अगस्त को 14, 14 अगस्त को 15।
केन्द्रीय जेल दुर्ग-13 अगस्त को 13, 14 अगस्त को 8।
केन्द्रीय जेल अंबिकापुर-13 अगस्त को 8, 14 अगस्त को 8।
केन्द्रीय जेल जगदलपुर-13 अगस्त को 5, 14 अगस्त को 0।
17-18 अगस्त को होगी 7 अन्य कैदियों की रिहाई।

जाने-अनजाने में गलती हो गई, अफसोस रहेगा

सीतापुर के ओम प्रकाश धनकी ने कहा 'मैं आजादी के पावन पर्व पर रिहा हो रहा हूं। अब अपने घर-परिवार के साथ जाकर जीवन यापन कर सकूंगा। इसलिए मुझे बेहद खुशी हो रही है। ओम ने शासन को धन्यवाद दिया कि, अच्छे चाल-चलन की वजह से सजा को माफ करके उन्हें रिहा किया गया है और समाज की मुख्यधारा में जीने का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने अपनी गलती पर अफसोस जताते हुए कहा कि 'जाने-अनजाने में आक्रोश में आदमी अपना होश खो बैठता है। जाने-अनजाने में एक निर्दोष पर आरोप लगा। मुझे जीवन पर्यंत इसका अफसोस रहेगा। मैंने जेल में इसका प्रायश्चित किया है और ईश्वर से दुआ करता हूं कि उस निर्दोष की आत्मा को शांति मिले।' ओम प्रकाश ने बताया कि उनका मामला एनकाउंटर टाइप था। चाचा की हत्या के मामले में उन्हें और अन्य 5 लोगों को सजा हुई थी। तीन पहले रिहा हो चुके थे, अब हम तीन रिहा हुए हैं।

जेल नियमावली के तहत हुई रिहाई

केंद्रीय जेल अंबिकापुर के अधीक्षक अक्षय सिंह राजपूत ने बताया कि, जेल नियमावली के तहत संबंधित जिले के कलेक्टर और जेल अधीक्षक की रिपोर्ट पर समीक्षा बोर्ड गठित की जाती है। बोर्ड कैदी के आचरण, व्यवहार और जेल में किए गए कार्यों की समीक्षा करता है। इसके बाद ही समय-पूर्व रिहाई की सिफारिश शासन को भेजी जाती है। अधीक्षक ने कहा कि केन्द्रीय जेल, अंबिकापुर से 16 कैदियों को रिहा किया जा रहा है। ये सभी कैदी आजीवन कारावास की सजा काट रहे थे और 14-15 वर्षों से जेल में बंद थे। 'रिहा हुए कैदियों का जेल में आचरण काफी अच्छा रहा। हम उम्मीद करते हैं कि अन्य कैदी भी जेल नियमों का पालन करेंगे ताकि भविष्य में उन्हें भी शासन की इस योजना का लाभ मिल सके।'

स्वजन में खुशी का माहौल-रिहाई की खबर सुनते ही कैदियों के स्वजन में खुशी की लहर है। 14-15 साल बाद अपनों के बाहर आने की उम्मीद में स्वजन जेल के बाहर पहुंचे। अधिकारियों का कहना है कि यह रिहाई समाज में सुधार और पुनर्वास का संदेश देती है।

पारिश्रमिक और पुनर्वास की व्यवस्था-केंद्रीय जेल के अधीक्षक ने बताया कि, रिहा होने वाले कैदियों को जेल में रहते हुए अर्जित किया गया पारिश्रमिक भी वापस किया जा रहा है। इनके बैंक खाते हैं उनमें राशि ट्रांसफर की गई है, अन्य को चेक दिया गया है। इसके साथ ही कैदियों के पुनर्वास के लिए हमारा इंडियन ओवर्सीज बैंक से एमओयू हुआ है, यहां से रिहा होने वाले कैदियों के जीवकोपार्जन के लिए अल्प ऋण की सुविधा भी दिलाई जाएगी, ताकि वे जेल से बाहर आकर स्वरोजगार कर सकें। उन्होंने बताया कि एक कैदी बिटुल कुरवा जेल में सिलाई का कार्य करता था, उसने आर्थिक सहायता की मांग की है।

हवाला के जरिए एक करोड़ लेनदेन, मामले में एएसआई और आरक्षक लाइन अटैच

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर सीएसपी समेत 3 पुलिस कर्मियों पर हवाला के माध्यम से एक करोड़ से अधिक के कथित रिश्वत मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू स्थित विशेष सीबीआई अदालत द्वारा पारित किए गए महत्वपूर्ण आदेश के बाद पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा ने एएसआई व आरक्षक को लाइन अटैच कर दिया है। हवाला चैनल के माध्यम से एक करोड़ से अधिक के लेन-देन का ऑडियो इंटरनेट मीडिया में वायरल हुआ था, जिसमें वर्तमान में अंबिकापुर में सीएसपी के पद पर पदस्थ आईपीएस राहुल बंसल का नाम आया है।

उल्लेखनीय है कि, विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) सीबीआई-11, सुधांशु कौशिक की अदालत में एक जुलाई 2026 को आकाश कुमार की ओर से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 175(3) के तहत शिकायत प्रस्तुत की गई थी। अदालत ने इसे जांच के लिए पंजीबद्ध करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद दिल्ली की विशेष सीबीआई अदालत ने शिकायत को संज्ञान लेते हुए छत्तीसगढ़ के डीजीपी, सीबीआई निदेशक तथा संबंधित पुलिस अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। साथ ही डीजीपी से पूरे मामले की तथ्यात्मक रिपोर्ट और सीबीआई से शिकायत पर अब तक की गई कार्रवाई का ब्यौरा मांगा है। शिकायत में आरोप है कि आईपीएस ने साइबर थाना सरगुजा में पदस्थ आरक्षक व एएसआई के साथ मिलकर आपराधिक षड्यंत्र रचा। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस षड्यंत्र के तहत हवाला चैनल के माध्यम से एक करोड़ रुपये से अधिक रिश्वत की मांग की गई, और उसे स्वीकार भी किया गया। शिकायत में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 एवं 7ए तथा भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 308 एवं 351 के तहत एफआइआर दर्ज करने की मांग की गई है। शिकायत के साथ शपथ-पत्र भी संलग्न किया गया है।

चल रही जांच, होगी वैधानिक कार्रवाई-आईजी

इस संबंध में पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा ने कहा है कि साइबर थाने में फ्रॉड का मामला दर्ज है, जिसमें अलग-अलग राज्यों से 23 आरोपियों की गिर तारी हो चुकी है। मामले के विवेचक नगर पुलिस अधीक्षक व अन्य के खिलाफ सीबीआई कोर्ट में शिकायत की गई है। वर्तमान जांच में इनके द्वारा कोई भी तथ्य प्रस्तुत नहीं किया गया है। जो ऑडियो कॉल की रिकॉडिंग है, उसमें जिन लोगों के बीच में बातचीत होना बताया जा रहा है, उनके संबंध में भी जांच की जा रही है। जो भी तथ्य सामने आएंगे, इसके आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। मामले में आरक्षक व एसआई को लाइन अटैच किया गया है।

महुआ शराब की फैक्ट्री में सुलग रही थी 8 भट्ठियां, मिला 480 किलो लाहन और 70 लीटर शराब

आबकारी उड़नदस्ता टीम ने गश्त दौरान मुखबिर के सूचना पर की बड़ी कार्रवाई

अंबिकापुर। 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर आबकारी आयुक्त पी.एस. एल्मा के अवैध शराब पर सख्त कार्रवाई के आदेश के बाद संभागीय आबकारी उड़नदस्ता सरगुजा ने अंबिकापुर में महुआ शराब बनाने के कारखाने का भंडाफोड़ किया है। बुधवार 13 अगस्त को उड़नदस्ता टीम सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के नेतृत्व में शहर में गश्त कर रही थी। इस दौरान संकटमोचन मंदिर, पटपरिया पहुंचने पर मुखबिर ने सूचना दी कि, बाउंड्री वॉल के पास अर्जुन कुजुर नामक व्यक्ति अपने किराए के मकान में महुआ शराब की फैक्ट्री चला रहा है। वहां भारी मात्रा में शराब बनाने के लिए भट्ठियां चढ़ी हुई हैं। सूचना की विश्वसनीयता पर टीम ने तत्काल मकान में दबिश दी। आबकारी टीम मकान के अंदर पहुंची तो हक्का-बक्का रह गई। एक कमरे में 8 भट्ठियां चढ़ाकर शराब निर्माण का कार्य चल रहा था। दूसरे कमरे में 24 प्लास्टिक डिब्बों में महुआ लाहन भरकर रखा गया था। टीम ने मौके पर सभी भट्ठियों से शराब निकालकर माप किया, और कुल 70 लीटर महुआ शराब जब्त किया। वहीं 480 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद कर पंचनामा बनाकर मौके पर नष्ट कर दिया गया। शराब बनाने के उपकरण और बर्तन भी जब्त कर लिए गए। टीम ने आरोपी अर्जुन कुजुर को मौके से गिरफ्तार कर लिया। उसके विरूद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) (क) (च), 34(2), 59(क) के तहत प्रकरण दर्ज करके, न्यायालय से रिमांड लेकर जेल दाखिल करने की कार्रवाई की गई है।

15 अगस्त के पूर्व बड़ी कार्रवाई-सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि 15 अगस्त के पूर्व संभागीय उड़नदस्ते की यह बड़ी कार्रवाई है। उन्होंने कहा कि अवैध शराब निर्माताओं के खिलाफ आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक टी.आर. केहरी, मुख्य आरक्षक अशोक सोनी, नगर सैनिक रणविजय सिंह, रोहित सोनी एवं आबकारी स्टाफ नीरज चैहान की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

गौवंश के झुंड को 13 किमी हांकते लेकर पहुंचे कलेक्टोरेट, कहा-पूरी खेती बर्बाद कर दिए

कलेक्टर कार्यालय के पोर्च की ओर जाने वाले मार्ग में बैठे मवेशियों को देखकर अफसर हड़बड़ाए

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर से लगभग 13 किलोमीटर के फासले पर स्थित ग्राम भकुरा के ग्रामीणों ने बुधवार ने कथित रूप से नगर पालिक निगम की ओर से छोड़े गए गौ वंश से बनी मुसीबत की स्थिति को बयां करने अनोखा प्रदर्शन किया। इन मवेशियों को पैदल हांकते वे सीधे कलेक्टोरेट कार्यालय के अंदर पहुंच गए, और कलेक्टर कार्यालय के पोर्च की ओर जाने वाले प्रवेश मार्ग पर ही बैठा दिया। अचानक कलेक्टोरेट परिसर के मुख्य द्वार पर मवेशियों का जमावड़ा देखकर अधिकारी-कर्मचारी भी हैरान-परेशान हो गए। हालांकि तत्समय कलेक्टर अपने कार्यालय में मौजूद नहीं थे। इन्हें चिंता इस बात की सता रही थी कि, कलेक्टर का आगमन पर उनकी वाहन पार्किंग पोर्च स्थल तक नहीं जा पाएगी। इसके बाद मौके पर पहुंचे नायब तहसीलदार ने चौकीदारों से मवेशियों को कलेक्टोरेट परिसर में ही खुले मैदान की ओर करने कहा।

ग्रामीणों का कहना है कि, पशुपालकों की मनमानी के कारण गांव ही नहीं शहर की सड़कों पर गौ वंश का आतंक बढ़ गया है। दूध दुहने के बाद मवेशियों को दिन-रात सड़कों और गांव-शहर की गलियों में छोड़ दिया जाता है। इससे रोजाना सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। कई बार दोपहिया वाहन चालक मवेशियों से टकराकर घायल हो चुके हैं। खेतों में भी मवेशी घुसकर फसल बर्बाद कर रहे हैं। कई बार शिकायत करने के बाद भी प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। कलेक्ट्रेट पहुंचे ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की, शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा मवेशियों के लिए उचित गौशाला, कांजी हाउस की व्यवस्था की जाए। लापरवाह पशुपालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो जो मवेशियों को सड़कों पर छोड़ देते हैं। नियमित अभियान चलाकर आवारा घूम रहे मवेशियों को पकड़ा जाए।

निगम मवेशियों को गांव में छोड़ रहा-ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि नगर निगम पकड़े गए मवेशियों को कांजी हाउस में रखने के बजाए गांव में छोड़ दे रहा है, और इन मवेशियों के कारण खेतों में लहलहा रही उनकी फसल बर्बाद हो रही है। मवेशी मालिकों से गांव के लोग अनजान हैं। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाया और समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है। हालांकि ग्रामीणों को कलेक्टर के आने का इंतजार था। अब देखना होगा प्रशासन कब तक गौशाला बनाता है।

मौत और हादसों से दहशत में लोग-आवारा छोड़े जाने वाले गौवंशों के कारण लगातार हादसे हो रहे हैं। कुछ दिन पहले ही एक महिला की सांड के हमले में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। गांधी चौक में ड्यूटी के दौरान पुलिस विभाग का एक ट्रैफिक जवान भी मवेशी की चपेट में आकर घायल हुआ था। वहीं गोधनपुर में हाल में गौवंश के कारण एक व्यवसायी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिन्हें आसपास मौजूद लोगों ने डॉयल 112 की टीम के सहयोग से अस्पताल पहुंचवाया था, इन्हें सिर सहित शरीर के अन्य हिस्से में गंभीर चोटें आई थी।

रोजाना छोड़ दिए जाते हैं मवेशी-पालतू मवेशियों को उनके मालिक रोजाना आवारा की तरह गली-गली में छोड़ देते हैं। इससे न सिर्फ सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं, बल्कि यहां रहने वालों को कई प्रकार की क्षति का सामना करना पड़ रहा है। गोबर के कारण लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। स्कूलों के सामने भी मवेशियों का विचरण किसी बड़ी घटना को दावत दे रहा है।

निगम के पास कोई कार्ययोजना नहीं-शहर में घूमते गौवंशों के कारण बढ़ती दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने नगर निगम के पास कोई ठोस कार्ययोजना नहीं है। इन्हें पकड़कर गांव की ओर छोड़ देना विकल्प नहीं है। लोगों का कहना है कि बला टालने जैसी स्थिति बनाने से अच्छा गौठानों के तर्ज पर व्यवस्था सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

गौठान बंद करने से बिगड़े हालात-कलेक्टोरेट पहुंचे ग्रामीणों ने कहा कि, कांग्रेस सरकार के समय गांव-गांव तक गोठान संचालित हो रहे थे। गोबर और गौ मूत्र की खरीदी होने के कारण आवारा मवेशी कम ही घूमते नजर आते थे। भाजपा सरकार ने गोठान बंद कर दिया, इसके बाद से समस्या और बढ़ गई है। गौवंश मौत-हादसे का कारण बन रहे हैं। ऐसे में प्रशासन मवेशी मालिकों के प्रति कठोर जिम्मेदारी तय करे।

विपक्ष के सवाल पर व्यक्तिगत टिप्पणी, महिला कांग्रेस ने आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नगर निगम की सामान्य सभा में महापौर मंजूषा भगत द्वारा विपक्षी पार्षदों पर व्यक्तिगत टिप्पणी और कथित तौर पर सदन की गरिमा के विपरीत आचरण किए जाने के विरोध में महिला कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। गुरुवार को महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष सीमा सोनी के नेतृत्व में कांग्रेस महिला पार्षदों एवं कार्यकर्ताओं ने नगर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर मामले में कार्रवाई की मांग की।

महिला कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सामान्य सभा में कला केंद्र मैदान के आबंटन से जुड़े वायरल ऑडियो में पैसों के लेन-देन के आरोपों की जांच में हो रही देरी को लेकर नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने सवाल उठाया था। स्वयं महापौर द्वारा अजाक थाना में आवेदन दिए जाने के बावजूद 2 माह तक जांच नहीं होने पर उन्होंने सदन में सवाल उठाया और एक माह के भीतर जांच पूरी कराने के लिए पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजने का प्रस्ताव पारित करने की मांग की। इस सवाल का तथ्यात्मक जवाब देने के बजाय महापौर ने विपक्षी पार्षदों पर व्यक्तिगत टिप्पणियां कीं और आवेश में सदन का माहौल बिगाड़ा। आरोप है कि महापौर आसंदी को संबोधित करने के बजाय सीधे विपक्षी सदस्यों से उलझीं, अपनी कुर्सी छोड़कर पानी का बोतल भी आवेश में लहराया। महिला कांग्रेस का कहना है कि जनहित का सवाल पूछना विपक्ष का लोकतांत्रिक अधिकार है। सवाल का जवाब देने के बजाय व्यक्तिगत टिप्पणी और सत्ता के अहंकार का प्रदर्शन लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। महिला एवं आदिवासी होने की पहचान को अमर्यादित आचरण के बचाव के रूप में इस्तेमाल करना भी उचित नहीं है। कहा गया है कि, सामान्य सभा का सीसीटीव्ही फुटेज एवं वीडियो रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखा जाए। पूरे घटनाक्रम की जांच कराई जाए। सदन की गरिमा भंग होने की पुष्टि पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। कला केंद्र मैदान के वायरल ऑडियो में लगाए गए पैसों के लेन-देन संबंधी आरोपों की जांच में हुई देरी की भी जांच कर समयबद्ध कार्रवाई की जाए। इस दौरान पार्षद हसन खान, कलीम अंसारी, बाबर इदरीसी, शुभम जायसवाल, गीता प्रजापति, मेघा खांडेकर, संध्या रवानी, नुजहत फातिमा, गीता रजक, हामिदा बानो सहित महिला कांग्रेस की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

झारखंड के गुमला से मवेशी तस्कर को पुलिस ने दबोचा

पूर्व में 13 नग मवेशी और पिकअप लावारिस हाल में किया था जप्त

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मवेशी तस्करी के मामले में थाना बतौली पुलिस ने झारखंड के गुमला निवासी एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। प्रकरण में प्रयुक्त पिकअप वाहन और 13 नग मवेशी पहले ही जप्त किए जा चुके हैं।

पुलिस को 17 जनवरी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पिकअप वाहन क्रमांक जेएच 01 एफवाई 8400 में 6 गाय और 7 बछिया, कुल 13 मवेशी के सींग और पैर बांधकर क्रूरता पूर्वक भरकर छत्तीसगढ़ से झारखंड के बूचड़खाना ले जाया जा रहा है। ग्राम बोदा, बगीचा रोड, घोषरा पखना खेत के पास पिकअप के पिछले चक्का का नट-बोल्ट टूट जाने से पिकअप चालक और मवेशी तस्कर वाहन व मवेशियों को छोड़कर फरार हो गए थे। सूचना पर थाना बतौली पुलिस मौके पर पहुंची और घटना में प्रयुक्त पिकअप वाहन तथा 13 नग मवेशी को जप्त किया।

पिकअप के पंजीयन क्रमांक के आधार पर पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में गठित विशेष टीम ने दिगर राज्य झारखंड में पतासाजी की। विवेचना में वाहन स्वामी और अन्य लोगों से पूछताछ की गई। इस दौरान आरोपी अयान अहमद पिता मोहम्मद अशगर 21 वर्ष, निवासी गुमला झारखंड को हिरासत में ली। पूछताछ में आरोपी ने मवेशियों को झारखंड ले जाकर तस्करी करने की बात स्वीकार की। आरोपी के मोबाइल से मवेशी तस्करी का वीडियो भी बरामद हुआ। आरोपी को धारा 35(3) बीएनएस के तहत नोटिस जारी किया गया, किंतु वह विवेचना में सहयोग नहीं किया। विवेचना में संलिप्तता पाए जाने पर पृथक धारा जोड़ी गई। आरोपी दिगर राज्य का निवासी होने के कारण उसे गिरफ्तार कर स्वजन को सूचित किया गया। प्रकरण में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी बतौली निरीक्षक विवेक सेंगर, सहायक उपनिरीक्षक अरुण गुप्ता, आरक्षक राकेश एक्का, आरक्षक विकास एक्का सक्रिय रहे।

कोयलांचल में कैबिनेट मंत्री की अगुवाई में निकली तिरंगा यात्रा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में चल रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत कोयलांचल में गुरुवार को महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की अगुवाई में तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा शासकीय कन्या हाई स्कूल बिश्रामपुर से प्रारंभ होकर अंबेडकर चौक तक पहुंची और निर्धारित मार्ग से होते हुए पुनः विद्यालय परिसर में पहुंच संपन्न हुई। करीब दो किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा के दौरान हाथों में तिरंगा थामे स्कूली छात्र-छात्राएं, नागरिक, जनप्रतिनिधि तथा अधिकारी-कर्मचारी देशभक्ति के नारों के साथ आगे बढ़ते रहे। यात्रा के दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम के जयघोष से पूरा क्षेत्र राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज देश की आन-बान-शान का प्रतीक है और हर नागरिक का दायित्व है कि वह तिरंगे के सम्मान तथा देश की एकता और अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ बनाए।आयोजन में वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, नपं अध्यक्ष रितेश जायसवाल, सुभाष गोयल, अजय गोयल, रमेश दनौदिया, कृष्ण कुमार जिंदल, कृष्ण कुमार गोयल, अशोक अग्रवाल, शिवनंदनपुर नपं उपाध्यक्ष अंशुल गोयल पार्षद श्यामू साहू, प्रमिला साहू, मंजू गोयल, विमला सिंह, बृजेन्द्र सिंह, अंजली देवी, हर्ष दनौदिया, संतोष जायसवाल, वर्षा जायसवाल, चंदन सिंह, मनी बग्गा, अहमद वाहिद, दीपमाला सोनी, प्रशांत अग्रवाल सहित संत सिंह, देवधन राम बिंझिया, मंडल अध्यक्ष हरीश राजवाड़े, नपं बिश्रामपुर उपाध्यक्ष दीपेन्द्र सिंह चौहान, राजकिशोर चौधरी, शंकर यादव, समीर सिंह, शीतीकांत स्वाई, रविशंकर बउआ सूरज शेट्टी, संदीप सरकार, तारक मंडल, नगर पंचायत सीएमओ सुनील सिन्हा, सुरजपुर बीईओ हरेंद्र सिंह, पिलखा नायब तहसीलदार मीना सिंह व अन्य उपस्थित रहे। यात्रा में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विश्रामपुर, स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम विद्यालय विश्रामपुर, डीएवी पब्लिक स्कूल विश्रामपुर, राजकुमार पब्लिक स्कूल, कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल, गुरुकुल पब्लिक स्कूल तथा स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी एवं शिक्षक शामिल हुए। लोग स्वप्रेरित होकर जगह-जगह पुष्प की वर्षा कर रहे थे। 250 फीट लंबे तिरंगा के साथ विद्यार्थियों शिक्षकों एवं नागरिकों ने देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करते हुए राष्ट्रध्वज के सम्मान तथा देश के प्रति अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होने का संदेश दिया।कार्यक्रम का संचालन तिरंगा यात्रा प्रभारी गौरीशंकर पाण्डेय ने किया।

पार्षदों की उपेक्षा पर सभी ने किया मंच कार्यक्रम का बहिष्कार

तिरंगा यात्रा के उपरांत कन्या विद्यालय में आयोजित मंच कार्यक्रम में शिवनंदपुर नपं के पार्षदों की उपेक्षा किए जाने से सभी पार्षदों में नाराजगी देखने को मिली। पार्षदों का आरोप है कि कार्यक्रम में बाहर से आए अतिथियों का सम्मान दूसरे पंचायत के पार्षदों एवं नेताओं से कराया गया, जबकि स्थानीय पार्षदों को सम्मान एवं उचित प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया। इससे नाराज होकर शिवनंदनपुर नगर पंचायत के पार्षदों ने सामूहिक रूप से मंच कार्यक्रम का विरोध कर कार्यक्रम का बहिष्कार कर वहां से वापस लौट आए। पार्षदों ने कहा कि अपने ही क्षेत्र में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विपरीत है। भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को उचित सम्मान एवं प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए।

लटोरी पुलिस द्वारा कराया गया मैराथन दौड़, प्रतिभागी पुरस्कृत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सरदार वल्लभभाई पटेल के 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल द्वारा सभी थाना/चौकी प्रभारियों को सायक्लॉथन, मैराथन, वॉकथन प्रतियोगिता कराने का निर्देश दिया गया था। इसी तारतम्य में लटोरी पुलिस द्वारा गुरुवार को प्रातः 5.30 बजे मैराथन दौड़ का आयोजन कराया गया। मैराथन दौड़ में चौकी क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों के प्रतिभागी भाग लिए। ग्राम चंदौरीडांड से लटोरी तक 5 किमी मैराथन दौड़ में प्रथम राहुल यादव अजबनगर, द्वितीय शिवशंकर डुमरिया, तृतीय गणेश सिंह बिहारपुर थे, जिन्हें लटोरी चौकी प्रभारी सुनील सिंह द्वारा शील्ड एवं मोमेंटो प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

इसी तरह मैराथन दौड़ में एक 12 वर्षीय बालक धनेश्वर कुशवाहा जगतपुर शामिल हुआ, जिसे भी विशेष पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। मैराथन दौड़ में कुल 30 प्रतिभागी भाग लिए। मैराथन दौड़ कार्यक्रम में प्रधान आरक्षक रामनिवास तिवारी, दिलेश्वर, रवि किंडो, आरक्षक विकास मिश्रा, संतोष जायसवाल, शोभनाथ कुशवाहा, जयप्रकाश यादव, भोला, अवधेश महिला आरक्षक मालती शोभा, सुनीता सक्रिय रहे।

कैबिनेट मंत्री ने सरस्वती साइकिल योजना के तहत छात्राओं को बांटी साइकिल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री व भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने शासकीय आजाक कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल बिश्रामपुर में छात्राओं को निःशुल्क साइकिल का वितरण किया। उन्होंने कहा कि बेटियों की शिक्षा और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों की छात्राओं को विद्यालय तक पहुंचने में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सरस्वती साइकिल योजना उनके लिए सुविधा और आत्मविश्वास दोनों का माध्यम बनेगी। इससे छात्राओं के समय की बचत होगी, नियमित उपस्थिति बढ़ेगी और वे उच्च शिक्षा की ओर अधिक उत्साह के साथ आगे बढ़ सकेंगी। उन्होंने छात्राओं से मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने परिवार, गांव तथा प्रदेश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, ताकि आर्थिक या भौगोलिक कारणों से किसी भी बेटी की पढ़ाई प्रभावित न हो। इस दौरान शिवनंदनपुर नपं अध्यक्ष रितेश जायसवाल, कृष्णा गोयल, मंडल अध्यक्ष हरीश राजवाड़े, अशोक अग्रवाल शोक्की, मनी बग्गा, श्यामू साहू, ब्रह्मदेव बिंझिया, सुरजपुर बीईओ हरेंद्र सिंह व अन्य उपस्थित थे।

पीएमश्री स्कूल जयनगर ने 4-0 से जीता सेमीफाइनल मैच

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर के एकता स्टेडियम में आयोजित न्यू टैलेंट प्रोत्साहन कप फुटबॉल टूर्नामेंट खेले जाने वाला पहला सेमीफाइनल मैच पीएमश्री जयनगर और शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल बतरा के बीच खेला गया, जिसमें पीएमश्री स्कूल जयनगर ने मैच 4-0 से मैच जीत लिया। आज के मैच के मुख्य अतिथि मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर राजवाड़े थे। अन्य अतिथियों में पर्यावरण प्रेमी शैलेश चौबे, भाजपा जिला उपाध्यक्ष शोभनाथ राजवाड़े, दीपक पाठक, विनोद शाह, चंद्र यादव उपस्थित रहे। प्रोत्साहन कप के आयोजक तथा सूरजपुर जिला ड्यूज बाल क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव राजेश जैन ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। मैच के मुख्य निर्णायक सज्जू और सह निर्णायक प्रियांशु व अरसेलम कुजूर टेबल रैफरी की भूमिका में जीशान कुमार मैच के दौरान सक्रिय रहे। मैच की लाइव प्रसारण प्रकाश कुर्रे ने की। शुक्रवार को दूसरा सेमीफाइनल मैच कार्मेल कान्वेंट इंग्लिश मीडियम बिश्रामपुर और डीएवी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर के बीच खेला जाएगा।

बारिश से ढहा गरीब का आशियाना, बेघर हुए अकबर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में लगातार रुक-रुक कर हो रही तेज बारिश ने एक गरीब परिवार की जिंदगी को संकट में डाल दिया। ग्राम पंचायत खैरा में रहने वाले अकबर सिंह का खप्पड़ और मिट्टी से बना कच्चा मकान गुरुवार को अचानक भरभराकर ढह गया। राहत की बात यह रही कि हादसे के समय परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित बाहर निकल आए और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन पूरा परिवार अब बेघर हो गया है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र में पिछले कई दिनों से लगातार बारिश हो रही है। मिट्टी से बनी दीवारों में पानी भरने से मकान पूरी तरह जर्जर हो चुका था।

गुरुवार दोपहर तेज बारिश के दौरान अचानक छत, लकड़ी के बल्ली और मिट्टी की दीवारें एक साथ गिर गईं। देखते ही देखते वर्षों की मेहनत से बना आशियाना मलबे में तब्दील हो गया।

आकांक्षी वि.खं प्रतापपुर में विकास कार्यों की कलेक्टर एवं नीति आयोग के प्रतिनिधि ने की समीक्षा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां कलेजट्रेट सभाकक्ष में गुरुवार को कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की अध्यक्षता में एबीपी प्रतापपुर में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नीति आयोग, नई दिल्ली के अधिकारी श्री मुखर्जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान आकांक्षी विकासखंड में निर्धारित संकेतकों के आधार पर विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं संबद्ध सेवाएं, पेयजल, स्वच्छता, आधारभूत अधोसंरचना, सामाजिक विकास एवं वित्तीय समावेशन सहित विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में निर्धारित संकेतकों के आधार पर विकास की स्थिति का आकलन किया जाता है। बैठक में इन संकेतकों में बेहतर प्रदर्शन के लिए विभागवार प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

स्वास्थ्य विभाग से संबंधित 07 संकेतकों के आधार पर संस्थागत प्रसव, जन्म के समय शिशु का वजन तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में पेयजल एवं शौचालय जैसी सुविधाओं की जानकारी ली गई। इस दौरान नीति आयोग के प्रतिनिधि श्री मुखर्जी ने टीबी के मरीजों की समय पर पहचान, बेहतर उपचार तथा टीबी की रोकथाम के लिए प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

महिला एवं बाल पोषण से संबंधित 07 संकेतकों की भी समीक्षा की गई। बैठक में कुपोषण को पूर्ण रूप से समाप्त करने के लिए प्रभावी एवं परिणाममूलक कार्ययोजना के साथ कार्य करने पर जोर दिया गया। सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में पाइपलाइन के माध्यम से पेयजल, शौचालय एवं स्वच्छता की सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। आवासीय विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में खाद्यान्न सामग्री का व्यवस्थित रखरखाव, स्वच्छ पेयजल एवं साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा बच्चों को अनुकूल एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, ताकि बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि एवं सीखने की क्षमता को बढ़ावा मिले। कृषि एवं संबद्ध विभागों से संबंधित 05 संकेतकों की समीक्षा के दौरान पीएम किसान योजना के क्रियान्वयन, पशुओं के टीकाकरण तथा भूजल की स्थिति की जानकारी ली गई। साथ ही सॉयल हेल्थ कार्ड की प्रगति एवं उपयोगिता की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि किसानों को सॉयल हेल्थ कार्ड उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनकी भूमि की मृदा की गुणवत्ता एवं पोषक तत्वों की स्थिति की पूरी जानकारी देने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रतापपुर विकासखंड में पाइपलाइन के माध्यम से जलापूर्ति की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। अधिकारियों से सभी घरों तक नियमित पेयजल आपूर्ति की स्थिति की जानकारी लेते हुए शेष घरों को भी जलापूर्ति से जोड़ने के निर्देश दिए गए।

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत विकासखंड में स्वच्छता की स्थिति एवं शौचालयों की उपलब्धता की समीक्षा की गई। वहीं भारतनेट कनेक्टिविटी के संबंध में ग्राम पंचायतवार जानकारी लेते हुए सभी ग्राम पंचायतों में इंटरनेट नेटवर्क का विस्तार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं की पहुंच बेहतर हो सके।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवासों की प्रगति एवं निर्माण की स्थिति की समीक्षा की गई। सामाजिक विकास के अंतर्गत स्व-सहायता समूहों में महिलाओं की सदस्यता तथा ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की पहुंच की जानकारी ली गई। पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने तथा वित्तीय सेवाओं की पहुंच बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।शिक्षा विभाग की 11 संकेतकों के आधार पर समीक्षा की गई। बैठक में स्कूली शिक्षा व्यवस्था, शिक्षा के स्तर में सुधार एवं शिक्षा उन्नयन के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली गई। कलेक्टर ने विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने तथा शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। नीति आयोग के अधिकारी श्री मुखर्जी ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए प्रतापपुर विकासखंड में स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, कृषि, पेयजल, स्वच्छता, आधारभूत सुविधाओं एवं सामाजिक विकास के क्षेत्र में निरंतर सुधार सुनिश्चित करें।

स्टेडियम में किया गया स्वतंत्रता दिवस समारोह का अंतिम पूर्वाभ्यास

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। 80वें स्वतंत्रता दिवस के जिला स्तरीय समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए आज स्टेडियम ग्राउंड में फुल ड्रेस रिहर्सल आयोजित की गई। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील, पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजेंद्र सिंह पाटले उपस्थित रहे। जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी तथा ध्वजारोहण करेंगी। पूर्वाभ्यास के दौरान जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले ने मुख्य अतिथि की भूमिका निभाते हुए ध्वजारोहण, परेड निरीक्षण एवं मार्च पास्ट की सलामी का पूर्वाभ्यास कराया। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने आयोजन स्थल पर की गई व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और बैठक व्यवस्था, यातायात, पेयजल, चिकित्सा दल तथा सुरक्षा प्रबंधन को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पर्व का यह आयोजन पूरी गरिमा, अनुशासन एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न होना चाहिए तथा प्रत्येक विभाग अपने दायित्वों का समयबद्ध निर्वहन सुनिश्चित करें। रिहर्सल में जिले के विभिन्न शासकीय एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का अभ्यास किया, जिसने उपस्थितजनों में उत्साह का संचार किया। पुलिस बल, होमगार्ड, एनसीसी एवं स्काउट-गाइड सहित विभिन्न टुकड़ियों ने कदमताल करते हुए आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत किया और अनुशासन तथा राष्ट्रप्रेम का परिचय दिया। अंतिम पूर्वाभ्यास देखने बड़ी संख्या में नागरिक, विद्यार्थी, अधिकारी-कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। जिला प्रशासन द्वारा स्वतंत्रता दिवस समारोह को भव्य एवं यादगार बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

मंत्री लक्ष्मी के नेतृत्व में जिले में निकलीं भव्य तिरंगा यात्राएं, भैयाथान, भटगांव और लटोरी में युवाओं व विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत सूरजपुर जिले के भैयाथान, भटगांव और लटोरी में भव्य तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया गया। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री एवं भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने तीनों स्थानों पर पहुंचकर तिरंगा यात्राओं का नेतृत्व किया।

भैयाथान के केंवरा चौक से निकली तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं, युवा और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लिए विद्यार्थियों ने देशभक्ति के नारों के साथ पूरे क्षेत्र को राष्ट्रप्रेम के रंग में रंग दिया। इसके बाद भटगांव के त्रिपाठी चौक में आयोजित तिरंगा यात्रा में भी विद्यार्थियों, शिक्षकों और नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। लटोरी के हाई स्कूल ग्राउंड से निकली तीसरी तिरंगा यात्रा में विभिन्न विद्यालयों के सैकड़ों विद्यार्थियों ने भाग लिया। युवाओं की बड़ी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष ऊर्जा प्रदान की और राष्ट्रभक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया।

इस अवसर पर मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि तिरंगा हमारी राष्ट्रीय आन, बान और शान का प्रतीक है। जिस उत्साह के साथ विद्यार्थियों और युवाओं ने तिरंगा यात्रा में भाग लिया है, वह देश के उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य का प्रतीक है। ऐसी यात्राएं राष्ट्रभक्ति, एकता और स्वाभिमान की भावना को मजबूत करती हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि देश के स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को स्मरण करने का भी अवसर है। युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना इन आयोजनों का प्रमुख उद्देश्य है। कार्यक्रमों में विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। तिरंगा यात्राओं के माध्यम से जिले में स्वतंत्रता दिवस को लेकर उत्साह, राष्ट्रीय एकता और जनभागीदारी का विशेष वातावरण देखने को मिला।

सरकार के दावे रोशन, जनता के घर अंधेरे में और बिजली व्यवस्था पर प्रशासन मौन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। प्रदेश में सरप्लस बिजली उत्पादन और निर्बाध विद्युत आपूर्ति के दावों के बीच रामानुजगंज नगरपालिका क्षेत्र की जमीनी तस्वीर इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। पिछले करीब एक सप्ताह से लगातार बिजली की आंख-मिचौली ने आम लोगों की दिनचर्या अस्त-व्यस्त कर दी है। घरों से लेकर दुकानों, छोटे उद्योगों, कार्यालयों और न्यायालय तक विद्युत आपूर्ति की अनिश्चितता का असर दिखाई दे रहा है। सबसे गंभीर बात यह है कि समस्या की जानकारी आला अधिकारियों तक पहुंचने के बावजूद व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं हो सका है।

बिजली कटौती, कामकाज पर सीधा असर

विद्युत आज के दौर में घरेलू जरूरतों से लेकर व्यापार और कार्यालयीन कामकाज तक अधिकांश गतिविधियां बिजली पर निर्भर हैं। ऐसे में बार-बार बिजली गुल होने और कुछ देर बाद आने की स्थिति ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दुकानदारों और छोटे कारोबारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, वहीं घरेलू कामकाज भी प्रभावित हो रहा है। न्यायालय और सरकारी कार्यालयों में भी विद्युत आपूर्ति बाधित होने से कामकाज पर असर पड़ने की बात सामने आ रही है।

सरप्लस बिजली के दावों की खुली पोल

नगरवासियों का कहना है कि लगातार बिजली कटौती अब महज असुविधा नहीं रह गई है, बल्कि यह व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। जब समस्या लगातार बनी हुई है और जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी जानकारी भी है, तो समाधान के लिए प्रभावी कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे हैं, यह सवाल अब लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है।

मेंटेनेंस पर खर्च फिर भी व्यवस्था बेहाल

विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए समय-समय पर रखरखाव और मरम्मत के नाम पर लाखों रुपये खर्च होने की बात सामने आती है। इसके बावजूद उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली नहीं मिल पा रही है। इससे यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर रखरखाव के नाम पर होने वाला खर्च जमीनी स्तर पर कितना असरदार साबित हो रहा है। एक तरफ सरकार बेहतर विद्युत व्यवस्था और पर्याप्त बिजली उपलब्धता के दावे करती है, वहीं दूसरी तरफ नगर की जनता लगातार बिजली की आंख-मिचौली से परेशान है। सरकार के दावे और जमीनी हकीकत के बीच यह अंतर विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा कर रहा है।

मूलभूत सुविधा से पहले कंक्रीट निर्माण पर जोर

नगरवासियों में इस बात को लेकर भी नाराजगी है कि निर्वाचित और मनोनीत जनप्रतिनिधियों की प्राथमिकताओं में सड़क, नाली और कंक्रीट निर्माण जैसे कार्य तो प्रमुखता से दिखाई देते हैं, लेकिन बिजली जैसी बुनियादी सुविधा को लेकर अपेक्षित गंभीरता नजर नहीं आती। लोगों का कहना है कि विकास का मतलब केवल कंक्रीट निर्माण नहीं, बल्कि ऐसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता भी है, जिनसे आम नागरिक का रोजमर्रा का जीवन सुचारु रूप से चल सके। सरकार से जनता को उम्मीद थी कि कैबिनेट मंत्री के क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं को लेकर प्रशासन और विभाग विशेष रूप से गंभीर रहेगा। लेकिन लगातार बिजली कटौती ने इन उम्मीदों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का कहना है कि जब उन्हें पर्याप्त रोशनी तक के लिए परेशान होना पड़े तो बड़े विकास कार्यों के दावों का औचित्य भी सवालों के घेरे में आता है।

कांग्रेस के आंदोलन के बीच बिजली मुद्दा गरमाया

कांग्रेस लगातार विद्युत समस्या और मीटर से जुड़े मुद्दों को लेकर आंदोलन कर रही है। पिछले करीब एक महीने से कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर लोगों से आवेदन और फार्म भरवा रहे हैं तथा इन समस्याओं को प्रदेश स्तर तक पहुंचाने का दावा कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि लोगों की शिकायतों और समस्याओं को एकत्र कर उनकी आवाज मुख्यमंत्री तक पहुंचाई जाएगी।

चौपट विद्युत व्यवस्था पर प्रशासनिक तंत्र मौन

सरकार ऐसे समय में नगर की बिगड़ती विद्युत व्यवस्था ने सरकार और विद्युत विभाग के सामने एक और चुनौती खड़ी कर दी है। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से अलग आम जनता का सीधा सवाल है कि जब बिजली उत्पादन को लेकर प्रदेश में सरप्लस की स्थिति के दावे किए जा रहे हैं, तो उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली क्यों नहीं मिल रही? फिलहाल लगातार बिजली कटौती ने व्यवस्था की खामियों को उजागर कर दिया है। अब देखना यह है कि प्रशासनिक तंत्र इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए विद्युत आपूर्ति सुधारने के लिए ठोस कदम उठाता है या फिर जनता को इसी तरह बिजली की आंख-मिचौली झेलनी पड़ेगी।

बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिकता : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भैयाथान। विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत दरीपारा में स्थित हाई स्कूल में सरस्वती साइकिल योजना के तहत साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भटगांव विधायक एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने विद्यालय की 34 छात्राओं को साइकिल वितरित कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर छात्राओं को संबोधित करते हुए मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि बेटियों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

नवपदस्थ संयुक्त संचालक शिक्षा से टीचर्स एसोसिएशन ने की सौजन्य भेंट

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन सरगुजा के प्रतिनिधिमंडल ने सरगुजा संभाग के नवपदस्थ संयुक्त संचालक (शिक्षा) डा राजेश सिंह से सौजन्य भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें नवीन दायित्व के लिए शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा व्यवस्था एवं शिक्षक हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की। यह सौजन्य भेंट संघ की प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं सरगुजा संभाग प्रभारी मुकेश मुदलियार तथा प्रांतीय महामंत्री रंजय सिंह के मार्गदर्शन में एवं सरगुजा जिलाध्यक्ष कमलेश सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुई। इस अवसर पर संयुक्त संचालक (शिक्षा) राजेश सिंह ने कहा कि सरगुजा

संभाग में शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाना, शैक्षणिक गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाना तथा शिक्षकों एवं कर्मचारियों की समस्याओं का नियमानुसार निराकरण उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शिक्षकों से आपसी समन्वय और सकारात्मक सहयोग के साथ कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की। संयुक्त संचालक सिंह ने अपने पूर्व सहयोगियों एवं कर्मचारियों से भी आत्मीय मुलाकात की और पुराने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने सभी से मिल रहे सहयोग एवं आत्मीयता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से संभाग की शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सकता है।

आरागाही में 41 छात्राओं को किया साइकिल वितरण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। रामचंद्रपुर विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आरागही में सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत कक्षा 9 वीं के 41 छात्राओं को सायकल वितरण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों के द्वारा अपने-अपने विचार व्यक्त किए गए। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप क्षेत्र के निर्वाचित एवं मनोनीत जनप्रतिनिधि एवं संस्था के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं सहित लेखपाल सूर्य प्रताप कुशवाहा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में संस्था के प्राचार्य आनंद पाठक के द्वारा अतिथियों का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम की समापन की गई।

प्री मैट्रिक छात्रावास में घोर अनियमितता, अधिक्षिका महीने में 2 दिन आती है

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। सूरजपुर कलेक्टर रेना जमील के निर्देश पर पिछले दिनों तहसीलदार द्वारा परशुरामपुर प्री मैट्रिक छात्रावास के किए गए आकस्मिक निरीक्षण में छात्रावास के दुर्व्यवस्थाओं की पोल खुल गई। निरीक्षण में पाया गया कि वहां की अधिक्षिका नियमित रूप से छात्रावास में निवास नहीं करती है महिने में दो तीन दिन बमुश्किल आती है और पूरे महीने का अटेंडेंस लगाकर चली जाती है। तहसीलदार ने निरीक्षण में मिले खामियों की विस्तृत रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपा है।

तहसीलदार मनहरण सिंह राठिया ने बताया कि कलेक्टर के निर्देश पर पिछले दिनों परशुरामपुर प्री मैट्रिक छात्रावास का औचक निरीक्षण किया गया। जहां बच्चियों को मिलने वाली सुविधाओं में बड़ी गड़बड़ी पायी गई। छात्रावास में रहकर पढ़ाई करने वाली छात्राओं ने तहसीलदार को बताया कि अधिक्षिका इस माह मात्र दो दिन ही ड्यूटी में आई है। वहीं गहनता से की गई पड़ताल में पता चला कि छात्रावास में बच्चों को पर्याप्त मात्रा में राशन सामग्री प्रदाय नहीं किया जा रहा है। भंडारण कक्ष में

नहीं के बराबर खाद्य सामग्री है वहीं रसोइया को बहुत कम मात्रा में खाद्य सामग्री दिया जा रहा है। छात्रावास के कमरों में 20 पंखे लगे हुए हैं जिसमें 11 पंखे खराब हालत में पड़े हैं। बच्चों के कक्ष में इमरजेंसी लाइट की व्यवस्था नहीं होने के कारण लाइट कटने पर अंधेरे में रहने के लिए विवश हैं। इस नए शिक्षा सत्र का मच्छरदानी, बेडशीट प्रदान नहीं किया जाना पाया गया है। तहसीलदार ने जांच रिपोर्ट और पंचनामा कलेक्टर को सौंप दिया है।

सुविधाओं में भारी कटौती

तहसीलदार मनहरण राठिया ने बताया कि हास्टलों में बच्चों के सुविधाओं के लिए शासन से पर्याप्त राशि दिए जा रहे हैं। बताया गया कि प्रति बच्चा 15 सौ रुपए महिना शासन से मिलते हैं मगर छात्रावासों में प्रत्येक बच्चे पर बमुश्किल पांच सौ रुपए खर्च किए जाते हैं। जांच में यह भी पाया गया कि महिने भर के लिए 10-10 रूपए वाली एक एक नहाने कपड़ा धोने का साबुन व 10 रुपए वाली टूथपेस्ट दिए जाते हैं। छात्रावास में 50 बच्चे दर्ज हैं जिनमें से 30 बच्चे उपस्थित थे। इतने बच्चों के लिए भंडारण कक्ष में मात्र तीन किलो आलू, एक किलो कुंदरू, एक पाव टमाटर, तीन किलो दाल पाया गया। छात्रावासी बच्चों द्वारा तहसीलदार को बताया गया कि अधिक्षिका द्वारा पर्याप्त मात्रा में हरी सब्जियां क्रय नहीं किया जाता, वहीं सब्जी बनाने में लगने वाली आवश्यक सामग्री तेल लहसुन प्याज हल्दी मिर्च मसाला का अभाव पाया गया है। बिजली गुल होने के कारण बच्चे अंधेरे में पढ़ाई करते पाए गए। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां के छात्रावासों की हालत कितनी खराब है।

कन्या स्कूल में क्लब पदाधिकारियों ने ली शपथ, नेतृत्व क्षमता बढ़ाने पर जोर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनपुर। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लखनपुर में प्राचार्य रंजना श्रीवास्तव ने विभिन्न क्लब और सोसायटियों के पदाधिकारियों एवं प्रभारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। विद्यालय में गठित स्टूडेंट यूनियन वेलफेयर क्लब, यूथ रेडक्रॉस, स्काउट एंड गाइड क्लब, कल्चरल सोसायटी, इको एंड क्लीननेस क्लब, स्कूल एक्टिविटी एंड क्रिएटिव क्लब, इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब, आईटी क्लब, स्पोर्ट्स क्लब, साइंस क्लब आदि के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने शपथ ली। छात्राओं को संबोधित करते हुए प्राचार्य रंजना श्रीवास्तव ने कहा कि इन क्लब-सोसायटियों के माध्यम से छात्राओं में नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना, अनुशासन और आत्मनिर्भरता बढ़ेगी।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भैयाथान। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व भैयाथान में देशभक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। ग्राम केवरा के सत्ती चौक से हाई स्कूल ग्राउंड तक भव्य तिरंगा रैली निकाली गई। हाथों में लहराते तिरंगे और देशभक्ति के नारों से पूरा क्षेत्र राष्ट्रप्रेम के रंग में रंग गया। रैली में भटगांव विधायक एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े प्रमुख रूप से शामिल हुईं। कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता के छायाचित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके बाद तिरंगा यात्रा प्रारंभ हुई जिसमें बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राओं, भाजपा कार्यकताओं और क्षेत्रवासियों ने भाग लिया। रैली के दौरान 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के नारों से माहौल गूंज उठा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान है। प्रत्येक भारतवासी को अपने राष्ट्रीय ध्वज पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की

एकता और अखंडता को मजबूत बनाने में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। छात्र-छात्राओं से उन्होंने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए जिम्मेदारी, अनुशासन और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। ₹आज के विद्यार्थी ही आने वाले समय में देश का नेतृत्व करेंगे, इसलिए उनमें राष्ट्रप्रेम और जिम्मेदारी की भावना मजबूत होना जरूरी है₹ - मंत्री राजवाड़े। मंत्री ने स्वच्छता अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि क्षेत्र में स्वच्छता को लेकर लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने और अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम को रेड क्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल ने भी संबोधित किया। संचालन जिला उपाध्यक्ष प्रकाश दुबे और आभार प्रदर्शन मंडल अध्यक्ष सुनील साहू ने किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री अशोक सिंह, जनपद उपाध्यक्ष राजीव प्रताप सिंह, तहसीलदार उमेश कुशवाहा, नायब तहसीलदार प्रियंका टोपो, परियोजना अधिकारी नितेन रंजन बेहरा, बीईओ फुलसाय मरावी, थाना प्रभारी शरफराज फिरदौसी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्कूली बच्चे मौजूद रहे।

ग्राम करजी में 2 दिन चलेगा नशामुक्ति अभियान, चित्रों से युवाओं को मिलेगा संदेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत- संकल्प अभियान' के तहत सरगुजा जिले के ग्राम करजी, विकासखंड अंबिकापुर में 14 और 15 अगस्त को दो दिवसीय नशामुक्ति चित्र प्रदर्शनी एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं, विद्यार्थियों और आमजन को नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना और नशामुक्त समाज के निर्माण में जनभागीदारी बढ़ाना है। प्रदर्शनी का उद्घाटन 14 अगस्त को अंबिकापुर विधायक प्रबोध मिंज करेंगे। इस अवसर पर सीतापुर विधायक राम कुमार टोप्पो, महापौर मंजूषा भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष निरुपा सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रितेश चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। उद्घाटन के बाद अतिथि प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। दृश्य माध्यमों से नशे के दुष्परिणामों को सरल तरीके से समझाया जाएगा। प्रदर्शनी के मुख्य बिंदु, चित्र, इन्फोग्राफिक्स के जरिए नशे के व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक और राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावनशीले पदार्थों की पहचान, शारीरिक-मानसिक प्रभाव, युवाओं में नशे के कारण और शुरूआती संकेत, 'मिथक बनाम तथ्य' से नशे से जुड़ी भ्रांतियों का खंडन, स्वास्थ्य समस्याएं, मानसिक तनाव, पारिवारिक विघटन, आर्थिक नुकसान, अपराध और सड़क दुर्घटनाएं, परिवार, स्कूल और समाज की भूमिका, नशामुक्त परिसर, उपचार और पुनर्वासनशा मुक्त भारत अभियान, माय भारत, 14446 हेल्पलाइन की जानकारी, 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य और पीएम नरेंद्र मोदी के संदेश।

सरगुजा में पहली बार जेनेटिक बीमारियों पर जिला स्तरीय संगोष्ठी, दिल्ली के विशेषज्ञ ने दिया मार्गदर्शन

अम्बिकापुर। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय के मेडिकल लेक्चर हॉल में अटल आरोग्य लैब एवं चिकित्सालय के सौजन्य से जिला स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में सिकलसेल, थैलेसिमिया, मल्टीपल माइलोमा और कैंसर जैसी हीमोग्लोबिन व अन्य गंभीर बीमारियों की एडवांस जांच की जानकारी दी गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.एस. मार्को ने बताया कि केंद्र सरकार की मुफ़्त जांच सेवा पहल योजना के तहत जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय में अटल आरोग्य लैब स्थापित की गई है। इन लैब्स में 134 प्रकार की एडवांस जांच की सुविधा मरीजों को निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

"सार्वजनिक अधिसूचना" प्रोफार्मा 10-01

रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपभोक्ताओं को एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि रेलवे के निम्नलिखित खण्ड पर 2x25000 वोल्ट, 50 हर्टज एसी सिन्गल फेज शिरोपरी कर्षण तारों को खण्ड के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या बाद में उर्जित किया जायेगा। उस तारीख पर और उस तारीख से शिरोपरी कर्षण लाईन को सब समय विद्युतमय माना जायेगा और कोई अनाधिकृत व्यक्ति उस शिरोपरी लाईन की सामीप्यता में दाखिला होने या काम करने नहीं जायेगा।

खण्ड	मंडल	दिनांक
विद्युत निर्माण विभाग (बिलासपुर) द्वारा बैकुंठपुर रोड-कटोरा सेक्शन, बैकुंठपुर रोड यार्ड, कटोरा यार्ड, कटोरा शिवप्रसाद नगर सेक्शन, शिवप्रसादनगर- यार्ड, शिवप्रसादनगर सूरजपुर सेक्शन एवं सूरजपुर-यार्ड का दोहरीकरण कार्य हेतु रेलवे प्रोजेक्ट में डबल लाइन के बैकुंठपुर रोड स्टेशन (CH 967-055) से बैकुंठपुररोड स्टेशन (CH 1006-44) (KM- 39-385) तक छत्तीसगढ़ स्टेट में सिंगल ब्रॉडगेज के बगल में दूसरा लाइन के कार्य हेतु 2x25 केवी, सिंगल फेज एसी, 50 हर्ट्ज, ट्रैक्शन ओएचई के शुरूआत के लिए सार्वजनिक अधिसूचना।	बिलासपुर द.पू.म.रेलवे	25.08.2026

एसी 2x25 के.व्ही. कर्षण को चालू करना सड़क उपयोगकर्ताओं को चेतावनी प्रोफार्मा 10-02

जन साधारण की सूचना के लिए अधिसूचित किया जाता है कि दक्षिण पू मध्य रेल्वे, बिलासपुर मण्डल के अंर्तगत विद्युत निर्माण विभाग (बिलासपुर -द्वारा बैकुंठपुररोड कटोरा सेक्शन, बैकुंठपुर रोड यार्ड, कटोरा यार्ड कटोरा - शिवप्रसाद नगर सेक्शन, शिवप्रसाद नगर यार्ड, शिवजसा नगर सूरजपुर सेक्शन एवं सूरजपुर यार्ड का दोहरीकरण कार्य है रेलवे प्रोजेक्ट में डबल लाइन के बैकुंठपुर रोड स्टेशन (CH 967-055) बैकुंठपुर रोड स्टेशन (CH 1006-44) (KM-39-385) तक छत्तीसगढ़ स्ट्रं में सिंगल ब्रॉड गेज के बगल में दूसरा लाइन के कार्य हेतु 2x25 के सिंगल फेज एसी, 50 हर्ट्ज, ट्रैक्शन ओएचई की शुरूआत के सार्वजनिक अधिसूचना। सभी समपारों पर सड़क सतह से 4.78 मी. 1 स्पष्ट ऊँचाई पर ऊँचाई गेजें लगाई है ताकि बहुत अधिक ऊँचाई वाले ल को विद्युन्मय कर्षण तार की खतरनाक सन्निकटता या सम्पर्क में आने रोका जा सके।

जन साधारण को एतद् द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि वाहनों के लदान के प्रयोजन के लिए उक्त विनिर्दिष्ट ऊँचाई का पालन करें और यह देखें सड़क वाहन में ढोये जा रहे लोड़ से किसी भी स्थिति में ऊँचाई गेजों अतिलंघन न करें।

अत्यधिक ऊँचाई के लोड के खतरा निम्नानुसार हैं-

(I) ऊँचाई गेज के लिए खतरा और उसके फलस्वरुप सड़क और लाइन पर बाधा।
(ii) वाहन पर ले जाये जा रही सामग्रियों या उपस्का खतरा।
(iii) चालकों की खतरनाक सामीप्यता या संपर्क के कारण आ खतरा और जीवन की हानि का खतरा।

दिनांक 10.08.2026

उप मुख्य वि. अभियंता (निर्माण)
एसईसी रेलवे/बिलासपुर

सीपीआर/10/341

सम्पादकीय

कॉलेजों में रैगिंग पर जीरो टॉलरेंस जरूरी

रैगिंग को लेकर देश के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में कानून और नियमों की कमी नहीं है, अगर कमी है तो उनके प्रभावी पालन और जवाबदेही की। सूरत के सरकारी मेडिकल कॉलेज में फर्स्ट ईयर के रेजिडेंट डॉक्टर हर्ष पंड्या की मौत ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर शिक्षण संस्थानों में रैगिंग पर रोक कब लगेगी? डॉक्टर बनने आए युवा अगर अपने ही वरिष्ठों की प्रताड़ना से इस कदर टूट जाएं कि उन्हें जिंदगी खत्म करने जैसा कदम उठाना पड़े, तो यह पूरे संस्थागत तंत्र की गंभीर विफलता है। रैगिंग को अक्सर नए छात्रों से परिचय, अनुशासन या कॉलेज की 'परंपरा' के नाम पर सामान्य बनाने की कोशिश की जाती है, लेकिन जब यही कथित परंपरा मानसिक प्रताड़ना या शारीरिक उत्पीड़न में बदल जाए तो इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। मेडिकल कॉलेज जैसे संस्थान, जहां छात्रों से भविष्य में दूसरों की जिंदगी बचाने की अपेक्षा की जाती है, वहां किसी जूनियर को भय और हिंसा के माहौल में रखना और भी गंभीर सवाल पैदा करता है। हर्ष पंड्या मामले में चार सीनियर छात्रों पर रैगिंग का आरोप लगा है। कॉलेज प्रशासन ने उन्हें छह महीने के लिए निलंबित किया, हॉस्टल खाली करने का आदेश दिया और एफआईआर भी दर्ज कराई। एचओडी और तीन फैकल्टी सदस्यों को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। यह कार्रवाई जरूरी है, लेकिन पर्याप्त नहीं। सवाल यह है कि अगर रैगिंग की शिकायत पहले भी की गई थी, तो समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या संस्थान के जिम्मेदार लोगों को संभावित खतरे का अंदाजा नहीं हुआ? वहीं, रैगिंग के उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक 2022 में 457 शिकायतें दर्ज हुई थीं। 2023 में यह संख्या 655 और 2024 में 758 हो गई। 2025 में 693 शिकायतें सामने आईं, जबकि 2026 में 22 जुलाई तक ही 520 मामले दर्ज हो चुके हैं। दूसरी ओर, नेशनल एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों का आंकड़ा 2021 के 532 से बढ़कर 2025 में 1,369 हो गया। रैगिंग की समस्या को हल्के में नहीं लिया जा सकता। देश में यूजीसी के एंटी-रैगिंग नियम वर्ष 2009 से लागू हैं। वर्ष 2016 में संशोधित भी किया गया। कॉलेजों में एंटी-रैगिंग कमेटियां, हेल्पलाइन, शपथ-पत्र और जागरूकता कार्यक्रम जैसी व्यवस्थाएं भी मौजूद हैं। फिर भी शिकायतों का सामने आना बताता है कि नियम बनाना और उनका पालन कराना दो अलग बातें हैं। जूनियर छात्र तभी आवाज उठाएगा जब उसे यह भरोसा होगा कि शिकायत करने के बाद उसकी पहचान सुरक्षित रहेगी और उसके खिलाफ बदले की कार्रवाई नहीं होगी। कॉलेज प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि शिकायत मिलते ही तत्काल जांच हो, पीड़ित को सुरक्षा मिले और दोषी पाए जाने वालों पर बिना किसी दबाव के कार्रवाई हो। साथ ही शिकायत को दबाने, नजरअंदाज करने या देर करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही भी तय हो। अब समय आ गया है कि हर कॉलेज और विश्वविद्यालय रैगिंग के खिलाफ वास्तव में जीरो टॉलरेंस अपनाए। शिकायत के बाद नहीं, शिकायत की आशंका से पहले व्यवस्था सक्रिय हो। दोषियों के साथ-साथ लापरवाह प्रशासन पर भी कार्रवाई हो और शिकायत तंत्र के साथ-साथ कॉलेज प्रशासन और शिक्षण संस्थानों की जवाबदेही तय हो। क्योंकि किसी छात्र की जिंदगी बचाने के लिए हमें उसकी मौत का इंतजार नहीं करना चाहिए। इसलिए समय रहते सभी कॉलेजों और शिक्षण संस्थाओं को जागरूक होकर छात्र हितों के लिए आगे आना होगा, ताकि भविष्य में रैगिंग के कारण किसी की छात्र की जान न जाए।

आर्थिकी

-डॉ. जयंतीलाल भंडारी

महंगाई, मानसून और टैरिफ की चुनौती

आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद देश में महंगाई, आर्थिक स्थिति और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि से जुड़ी तस्वीर पेश की है। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई का अनुमान 5.0 प्रतिशत कर दिया है। खाद्य वस्तुओं के क्षेत्र में महंगाई में वृद्धि के संकेत हैं। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि का अनुमान 6.7 प्रतिशत कर दिया गया है। खास तौर से रेपो रेट को लगातार चौथी बार 5.25 प्रतिशत के स्तर पर यथावत रखा गया है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में नए सिरे से व्यवधान आने की आशंका को देखते हुए भारत को घरेलू विनिर्माण पर अपनी निर्भरता बढ़ानी होगी।

इन दिनों देश में बढ़ती महंगाई, कमजोर मानसून और अमेरिका के बहुआयामी टैरिफ-वीजा संबंधी नई मुश्किलों पर प्रकाशित हो रही रिपोर्टें भारतीय अर्थव्यवस्था की चिंताएं बढ़ा रही हैं। हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद देश में महंगाई, आर्थिक स्थिति और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि से जुड़ी तस्वीर पेश की है। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2026- 27 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई का अनुमान 5.0 प्रतिशत कर दिया है। खाद्य वस्तुओं के क्षेत्र में महंगाई में वृद्धि के संकेत हैं। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि का अनुमान 6.7 प्रतिशत कर दिया गया है। खास तौर से रेपो रेट (वह ब्याज दर जिस पर बैंक रिजर्व बैंक से कर्ज लेते हैं) को लगातार चौथी बार 5.25 प्रतिशत के स्तर पर यथावत रखा गया है।

रिजर्व बैंक ने यह भी कहा है कि आने वाले दिनों में मानसून, अल नीनो और पश्चिम एशिया के संघर्ष की वजह से खाने-पीने की वस्तुएं और ईंधन महंगे हो सकते हैं। निसंदेह इस समय पश्चिम एशिया संकट और अमेरिकी प्रशासन की आर्थिक नीतियों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर चौतरफा दबाव देखने को मिल रहा है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार, भारत को कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, माल ढुलाई संकट और व्यापारिक बाधाओं जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में प्रस्तुत ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और व्यापारिक अनिश्चितता के चलते जुलाई 2026 में भारत की आर्थिक गतिविधियां पिछले चार वर्षों के सबसे निचले स्तर पर आ गई हैं। यद्यपि भारत की आंतरिक आर्थिक बुनियाद मजबूत है, लेकिन युद्ध के कारण उत्पन्न वैश्विक जोखिम और कच्चे तेल की मुद्रास्फीति अर्थव्यवस्था की रफ्तार को प्रभावित कर सकती हैं। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान की रिपोर्ट के अनुसार ईरान युद्ध के चलते आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है, जिससे उर्वरक और कृषि से जुड़ी वस्तुओं के आयात में लागत बढ़ी है। इससे ग्रामीण आय और कृषि विकास दर पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। साथ ही ऊर्जा गलियारों में जारी गतिरोध के कारण माल ढुलाई (फ्रेट) और बीमा लागत में भारी वृद्धि हुई है, जिससे भारत का व्यापार घाटा बढ़ रहा है और रुपये पर दबाव बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि इस समय अमेरिका से भी भारत के लिए तीन परिदृश्य नई चुनौतियां के रूप में दिखाई दे रहे हैं। एक, 25 जुलाई को अमेरिकी सीनेट में एच-1बी वीजा पर 3 साल तक रोक लगाने संबंधी एक नया और बेहद सख्त विधेयक पेश किया गया है। दो, 24 जुलाई से धारा 301 के तहत अमेरिका में भारतीय आयातों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लागू किया गया है। तीन, 1 अगस्त 2026 से अमेरिका के द्वारा आयात की जाने वाली भारत की जेनेरिक दवाओं पर चरणबद्ध तरीके से 200 प्रतिशत तक टैरिफ का ऐलान किया गया है। यह चिंता जनक है कि अमेरिकी सीनेट में 25 जुलाई को पेश किए गए एक नए विधेयक के तहत एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन साल की रोक लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इस कदम से अमेरिका जाने का सपना देख रहे भारतीय आईटी और तकनीकी क्षेत्र के पेशेवरों पर सीधा और बड़ा असर पड़ सकता है। वीजा

के लिए नए प्रस्तावों में 1,00,000 डॉलर (लगभग 85-95 लाख रुपये) तक का भारी-भरकम शुल्क और कठोर न्यूनतम वेतन मानदंड शामिल हैं। वीजा के लिए पारंपरिक रैंडम लॉटरी खत्म करके केवल उच्च वेतन और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्राथमिकता देने की तैयारी है। वीजा धारकों के आश्रितों और परिजनों पर भी कई तरह की पाबंदियां लगाने की चर्चा है। हालांकि, 1 लाख डॉलर की भारी फीस वाले प्रशासनिक आदेश पर अदालती रोक फिलहाल बरकरार है, फिर भी संसद में पेश इस नए विधेयक ने अनिश्चितता का माहौल बना दिया है। यदि यह कानून लागू होता है, तो भारतीय पेशेवरों और सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए चुनौतियां काफी बढ़ सकती हैं। गौरतलब है कि अमेरिका द्वारा 24 जुलाई से भारत समेत 17 देशों से आने वाले सामानों पर 10 प्रतिशत का टैरिफ लगाया गया है। शुरुआत में भारत पर 12.5 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव था, जिसे घटाकर 10 प्रतिशत किया गया है। भारत द्वारा अपनी विदेश व्यापार नीति में सुधार कर जबरन मजदूरी से बने सामानों पर प्रतिबंध लगाने के कारण यह राहत मिली है। इसी परिप्रेक्ष्य में इन विभिन्न कारणों से एक बार फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर बढ़ने लगा है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के द्वारा जारी हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम एशियाई संकट और लॉजिस्टिक कीमतों में बढ़ोतरी का भारत की विकास दर पर प्रतिकूल असर होगा। ऐसे में एडीबी ने भारत के लिए इस वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पूर्व में निर्धारित की गई 6.9 प्रतिशत विकास दर को घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपनी रिपोर्ट में वर्ष 2026- 27 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। आईएमएफ का मानना है कि ऊर्जा की ऊंची कीमतें भारत में आर्थिक चुनौतियां बढ़ा सकती हैं। हालांकि इस समय भारत आपूर्ति चुनौतियों से निपटने के लिए पहले से बेहतर स्थिति में है, फिर भी चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक विकास दर को 7 प्रतिशत तक ले जाने के लिए रणनीतिपूर्वक नए आर्थिक उपायों के साथ आगे बढ़ना होगा। सरकार को 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' के मंत्र को और अधिक आक्रामक ढंग से उपयोग में लाना होगा। वैश्विक झटके और तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारत को अपनी समष्टि-आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए अपनी रणनीतियों में बदलाव करना होगा। केंद्रीय बैंक को अब महंगाई को नियंत्रण में रखने के साथ-साथ विकास की गति को थमने से बचाना होगा।वैश्विक संकट के समय निजी निवेश में सुस्ती आना स्वाभाविक है। ऐसे में आर्थिक गतिविधियों को सहारा देने के लिए सरकार को अपने पूंजीगत व्यय को लक्ष्य के अनुरूप तेजी से कारगर बनाना होगा। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं जैसे रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, नए बंदरगाहों और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क में निवेश को प्राथमिकता देनी होगी। बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश बढ़ने से इस्पात, सीमेंट और निर्माण जैसे मुख्य क्षेत्रों में मांग बनी रहती है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर नए रोजगार पैदा होते हैं और अर्थव्यवस्था का चक्र घूमता रहता है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में नए सिरे से व्यवधान आने की आशंका को देखते हुए भारत को घरेलू विनिर्माण पर अपनी निर्भरता बढ़ानी होगी। उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजनाओं का दायरा बढ़ाकर उन क्षेत्रों को शामिल करना चाहिए जो आयात पर अत्यधिक निर्भर हैं। भारत को अपनी निवेश नीतियों को और अधिक सरल बनाकर वैश्विक कंपनियों को आकर्षित करना होगा। अब बढ़ती आर्थिक चुनौतियों के बीच मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को भी ढाल बनाना होगा।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सारा संसार

तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली स्थित सातवीं शताब्दी का रॉकफोर्ट उच्ची पिल्लयार मंदिर भगवान गणेश को समर्पित है, जिन्हें स्थानीय लोग पिल्लयार के नाम से जानते हैं। पौराणिक कहानियों के मुताबिक इसे भगवान राम के राज्याभिषेक की कथा और रावण की विभीषण की मूर्ति छिपाने में गणेश जी की अहम भूमिका से जोड़ती है। यह मंदिर तिरुचिरापल्ली के मनोरम दृश्यों में शामिल है।

आनंद आपके भीतर है, खोजने की जरूरत नहीं

संकलित

दर्शन

कल्पना क्या है और सच्चाई क्या है! इसे समझने के लिए आपकी जड़ का मजबूत होना जरूरी है। सारी कल्पनाएं आपके अंदर हैं। यह कल्पना नहीं है, यह सच है। कल्पना में डूबना बड़ा आसान है, सच्चाई को जानना बहुत मुश्किल है। जिसको आप खोज रहे हैं, वह आपके अंदर है। उसे जानिए. पहचानिए. उसके साथ थोडा समय बिताइए. क्योंकि उसमें सबकुछ है। जो आपके भीतर है, वह है शांति। किसी चीज का न होना शांति नहीं है। किसी चीज का होना शांति है। जब मनुष्य खुद को जानेगा, खुद को समझेगा, तब उसके जीवन में शांति होगी। जैसे भोजन खा लेने पर भूख खत्म होती है, उसी प्रकार खुद को जान लेने पर तृष्णा मिट जाती है। शांति मिल जाती है। सोचें कि यह शरीर आपको क्यों मिला है? जिन तत्त्वों से शरीर बना है, वे सारे तत्त्व वहीं वापस चले जाएंगे जहां से ये आये थे। जिस तरह पानी, पानी में मिल जाता है। सारी चीजें प्रकृति में घुल जाएंगी। क्या समझते हैं आप कि जब बच्चा पैदा होता है तो इस धरती का वजन बढ़ता है! या जब कोई मर जाता है तो इस धरती का वजन कम होता है! वजन न तो बढ़ता है न कम होता है। क्योंकि जिन चीजों से आप बने हुए हैं वे तो अभी यही हैं। परंतु क्या आपने उस चीज को जाना, समझा जो आपके शरीर के अंदर है? इसे जान गए, पहचान गए, फिर आनंद ही आनंद है। आपका नाम आपके शरीर का नाम है। नाम कमाने से क्या होगा। नाम नहीं, ज्ञान कमाइये। आनंद कमाइए। ये आप अपने साथ ले जा सकते हैं।

बहुत सारे काम के बदले एक को बेहतर करें

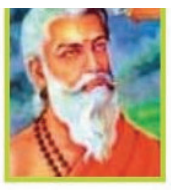

संकलित

प्रेरणा

पुराने समय में भारद्वाज मुनि थे। वे देवगुरु बृहस्पति के पुत्र थे। भारद्वाज बहुत सारा ज्ञान हासिल करना चाहते थे। उनकी सोच ये थी कि उन्हें संसार की सारी बातों का ज्ञान हो जाए। इसके लिए वे लगातार अध्ययन करते रहते थे। एक दिन बृहस्पति ने अपने पुत्र भारद्वाज से कहा कि परे संसार का ज्ञान वेदों में है। अगर तम वेद पढ लोगे तो समझ लो कि तुमने पूरा ज्ञान हासिल कर लिया है। पिता की बात मानकर भारद्वाज वेद पढ़ने लगे। भारद्वाज मुनि की संकल्प शक्ति और पढ़ाई की एकाग्रता देखकर देवराज इंद्र प्रसन्न हो गए और वे भारद्वाज के सामने प्रकट हुए। इंद्र ने कहा कि मैं तुम्हारी लगन देखकर बहुत प्रसन्न हूं। तुम मुझसे कोई भी वर मांग सकते हो। भारद्वाज ने इंद्र से कहा कि संसार में ज्ञान बहुत सारा है, लेकिन मेरी उम्र बहुत कम है। कृपया करके मेरी उम्र सौ साल बढ़ा दीजिए। इंद्र ने भारद्वाज की उम्र सौ वर्ष और बढ़ा दी। भारद्वाज मुनि को ज्ञान हासिल करते-करते सौ वर्ष भी बीत गए। इसके बाद देवराज इंद्र ने उनकी उम्र सौ साल और बढ़ा दी। अगले सौ साल और बीत गए, लेकिन भारद्वाज को पूरा ज्ञान नहीं मिल सका। जब अगले 100 भी बीत गए गए, तब इंद्र भारद्वाज के सामने प्रकट हुए और बोले कि भारद्वाज सामने तीन पहाड़ हैं। क्या हम इन पहाड़ों से एक मुट्ठी मिट्टी लेकर इन पहाड़ों की व्याख्या कर सकते हैं? ये संभव नहीं है। ठीक इसी तरह संसार का ज्ञान है। संसार का ज्ञान अथाह है। किसी एक व्यक्ति के लिए पूरा ज्ञान हासिल करना संभव नहीं है।

श्रद्धा

शान्तनु शुक्ला

सावन में ही क्यों बरसती है महादेव की विशेष कृपा

सावन का महीना आते ही पूरा देश शिवमय हो उठता है। मंदिरों में हर-हर महादेव के जयघोष गूंजते हैं, कांवड़ यात्राओं में आस्था का सैलाब उमड़ता है और करोड़ों श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हैं। लेकिन सवाल यह है कि आखिर सावन को भगवान शिव का सबसे प्रिय महीना क्यों माना जाता है? सनातन परंपरा में सावन को भगवान शिव की आराधना, तपस्या और आत्मशुद्धि का विशेष काल माना गया है। समुद्र मंथन की पौराणिक कथा में जब हलाहल विष निकला और उससे समस्त सृष्टि पर संकट मंडराने लगा, तब भगवान शिव ने लोककल्याण के लिए उस विष को अपने कंठ में धारण कर लिया। मान्यता है कि विष की उष्णता को शांत करने के लिए देवताओं ने भगवान शिव पर जल अर्पित किया। इसी भाव से शिवलिंग पर जलाभिषेक की परंपरा का विशेष महत्व जुड़ा हुआ है। सावन प्रकृति के नवजीवन का भी प्रतीक है। वर्षा से धरती की तपन शांत होती है और चारों ओर हरियाली छा जाती है। भगवान शिव का संबंध स्वयं प्रकृति, पर्वतों, वनों और समस्त जीव-जगत से माना जाता है। इसलिए सावन और शिव आराधना का संबंध प्रकृति और आध्यात्मिकता के अद्भुत संगम को दर्शाता है। सावन का संबंध माता पार्वती की कठोर तपस्या से भी जोड़ा जाता है। मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए घोर तप किया था। इसलिए इस महीने शिव-पार्वती की आराधना को विशेष महत्व प्राप्त है। सावन भक्तों को यह संदेश देता है कि सच्ची श्रद्धा के साथ किया गया तप, धैर्य और समर्पण जीवन को नई दिशा दे सकता है। वास्तव में शिवलिंग पर चढ़ाया जाने वाला जल केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि एक गहरा आध्यात्मिक संदेश है। जल मनुष्य के भीतर की तपन को शांत करने का प्रतीक है। जब भक्त शिवलिंग पर जल चढ़ाता है, तो वह प्रतीकात्मक रूप से अपने क्रोध, अहंकार, लोभ और नकारात्मक विचारों को भी महादेव के चरणों में समर्पित करता है। शिव आराधना का अर्थ केवल मंदिर जाना नहीं, बल्कि शिव के गुणों को अपने जीवन में उतारना भी है। त्याग, तप, संयम, करुणा, सरलता और लोककल्याण—यही शिवत्व के मूल भाव हैं। सावन इसलिए केवल एक महीना नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की जीवंत आध्यात्मिक परंपरा है। यह हमें प्रकृति से जोड़ता है, महादेव से जोड़ता है और अंततः अपने भीतर मौजूद शिवत्व को पहचानने की प्रेरणा देता है। सावन का सच्चा संदेश यही है—बाहर शिवलिंग पर जल चढ़ाने के साथ-साथ भीतर के अहंकार और अशांति को भी शांत किया जाए। तभी शिव आराधना जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला सकती है। हर हर महादेव!

(लेखक धार्मिक मामलों के विशेषज्ञ एवं वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

इस्लाम और देशभक्ति: एक व्यापक और संतुलित दृष्टिकोण

सैय्यद जाहिद अली रियासत

जिस जमीन पर इंसान जन्म लेता है, जिसका पानी पीता है और जहाँ अपना बचपन बिताता है, उससे प्रेम करना मनुष्य की एक स्वाभाविक प्रवृति होती है ,यही उसकी मूल भावना होती है। चूँकि इस्लाम फि तरत (प्राकृतिक स्वभाव) का धर्म है, इसलिए वह इस सहज भावना को न केवल स्वीकार करता है, बल्कि उसे परिष्कृत और सही दिशा भी प्रदान करता है। इस्लाम में देशभक्ति केवल एक खोखला नारा नहीं है, बल्कि यह ईमान, नैतिकता और सामाजिक ज़िम्मेदारी का एक सुंदर संयोजन है। इसका एक उल्लेखनीय उदाहरण पैगम्बर मुहम्मद का मक्का से प्रेम है। हिजरत के समय जब आप मक्का से रवाना हो रहे थे, तो आपने शहर की ओर मुख करके फरमायाः

'तुम कितने पवित्र हो और मुझे कितने प्रिय हो। यदि मेरी कौम ने मुझे तुमसे निकालने के लिए मजबूर न किया होता, तो मैं तुम्हारे अलावा किसी और स्थान पर रहना कभी पसंद न करता।'

(जामे अत-तिर्मिजी)

यह मुबारक हदीस इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि अपने वतन से प्रेम करना पैगम्बर की सुन्नत और इस्लाम की शिक्षाओं के पूर्णतः अनुरूप है।

इस्लामी चिंतन में अपने वतन से प्रेम केवल भावनात्मक भावना ही नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक जुड़ाव भी है। पैगम्बर मुहम्मद जब मदीना मुनव्वरा में हिजरत करके स्थायी रूप से बस गए, तो आपने दुआ फरमाईः

'ऐ अल्लाह! हमारे दिलों में मदीना की मुहब्बत पैदा कर दे, जिस तरह हम मक्का से मुहब्बत करते हैं, बल्कि उससे भी अधिक।'

(सहीह अल-बुखारी)

अपने वतन से प्रेम का अर्थ है उसके विकास, समृद्धि और शांति के लिए सच्चे दिल से दुआ करना और आवश्यकता पड़ने पर उसकी रक्षा के लिए सदैव तैयार रहना।

नागरिक ज़िम्मेदारी

इस्लाम में किसी राज्य या देश का नागरिक होना इस बात का अर्थ है कि व्यक्ति उस राज्य के साथ एक सामाजिक और कानूनी समझौते में प्रवेश करता है। इस्लाम वचनों, समझौतों और अनुबंधों को पूरा करने पर बहुत जोर देता है।

अल्लाह तआला पवित्र कुरआन में फरमाता हैः

'ऐ ईमान वालो! अपने समझौतों को पूरा करो।'

(सूरह अल-माइदा 5:1)

नागरिक होने के नाते ईमानदारी से करों का भुगतान करना, यातायात के नियमों का पालन करना, पर्यावरण को स्वच्छ रखना और सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना—ये सभी हमारी ऐसी ज़िम्मेदारियाँ हैं जिनकी जड़ें ईमान और नैतिकता में हैं। एक मुस्लिम नागरिक अपने वतन के संसाधनों को कभी नुकसान नहीं पहुँचाता। किसी भी देश का शासन उसकी संस्थाओं पर आधारित होता है—जैसे न्यायपालिका, सशस्त्र बल, पुलिस, स्वास्थ्य सेवाएँ, शिक्षा विभाग और उसकी कानूनी व्यवस्था। इस्लाम सामाजिक व्यवस्था और कानून के शासन को बहुत महत्व देता है। अराजकता फैलाना और धरती में भ्रष्टाचार एवं फसाद पैदा करना इस्लाम में कड़ी निंदा के योग्य है।

कुरआन में कहा गया है कि

'अल्लाह की आज्ञा मानो, रसूल की आज्ञा मानो और तुममें से जो अधिकार वाले हैं, उनकी भी।'

(सूरह अन-निसा 4:59)

राष्ट्रीय संस्थाओं का सम्मान करना, उनके साथ सहयोग करना और देश के कानूनों का पालन करना इस कुरआनी आदेश की व्यावहारिक अभिव्यक्तियाँ हैं। यह याद रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि व्यावहारिक रूप से समाज की सेवा करना और अपनी क्षमता के अनुसार अपने देश तथा राष्ट्र के कल्याण में योगदान देना भी वतन से प्रेम की अभिव्यक्ति है। देशभक्ति केवल राष्ट्रीय ध्वज लहराने या राष्ट्रगान गाने तक सीमित नहीं है। इसके बजाय, यह समाज के लिए सार्थक सेवा की माँग करती है। एक मेहनती विद्यार्थी, एक ईमानदार व्यापारी, एक कर्तव्यनिष्ठ शिक्षक और एक देशभक्त मजदूर—सभी अपनी-अपनी भूमिका में अपने देश की सेवा कर रहे होते हैं।

पैगम्बर मुहम्मद ने फरमायाः

'लोगों में सबसे बेहतर वे हैं जो दूसरों के लिए सबसे अधिक लाभकारी हैं।'

(अल-मु'जम अल-अवसत, अत-तबरानी)

अपने देशवासियों की सहायता करना, गरीबों के कल्याण के लिए कार्य करना, ज्ञान का प्रसार करना और अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में योगदान देना—ये सभी सच्ची देशभक्ति की व्यावहारिक अभिव्यक्तियाँ हैं।

निष्कर्ष

इस्लाम देशभक्ति की एक अत्यंत संतुलित और व्यापक अवधारणा प्रस्तुत करता है। वह सिखाता है कि अपने वतन से प्रेम कभी अंधे राष्ट्रवाद या ऐसी कट्टरता में परिवर्तित नहीं होना चाहिए जिसमें इंसान सही और गलत के बीच अंतर करने की क्षमता खो दे। इसके बजाय, देशभक्ति रचनात्मक होनी चाहिए और नैतिक सिद्धांतों द्वारा निर्देशित होनी चाहिए। एक सच्चा मुसलमान, इस्लामी शिक्षाओं के अनुसार जीवन जीकर, अपने देश का एक आदर्श, शांतिप्रिय और उत्पादक नागरिक बनता है। जब ईमान और देशभक्ति एक साथ आते हैं, तो वे किसी भी राष्ट्र की प्रगति और समृद्धि के सबसे बड़े स्रोतों में से एक बन जाते हैं।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार है

ट्रेंड

शहद एक्सपोर्ट

पहली बार, त्रिपुरा से दुबई 1 मीट्रिक टन सरसों का शहद एक्सपोर्ट किया गया है। यह खेप हमारे नॉर्थ-ईस्ट के मधुमक्खी पालकों को इंटरनेशनल मार्केट से जोड़ती है, जिससे हमारे किसानों की आमदनी बढ़ेगी और इस इलाके के एग्री-एक्सपोर्ट इकोसिस्टम के लिए नए रास्ते खुलेंगे।
- **पीयूष गोयल,** केंद्रीय वाणिज्य मंत्री

सदन की गरिमा

गृहमंत्री अमित शाह छात्रों से जुड़े मुद्दे पर सदन में अपना पक्ष रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कांग्रेस और पूरे विपक्ष से यह उम्मीद की जाती है कि वे तथ्यों का सामना करें, सदन की गरिमा बनाए रखें और जवाब को पूरा सुनें। लोकतंत्र में बहस से प्रतिष्ठा बढ़ती है, न कि भागने से।
- **योगी आदित्यनाथ,** सीएम, उप्र

अर्थव्यवस्था

क्या आलू के लिए किसान को '1 रुपये प्रति किलो' का दाम देने से '1 ट्रिलियन' डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगी? यह 'डील में हिलाई' का नतीजा है। देश का किसान हैरान और परेशान है।
- **अखिलेश यादव,** सीएम, उप्र

आकांक्षाओं के अनुरूप

हमारा मकसद झारखंड के अपने युवा साथियों की उम्मीदों और आकांक्षाओं के अनुरूप आगे बढ़ना है, और हम लगातार आगे बढ़ते रहेंगे। बीजेपी झूठ, धोखे और साजिशों का अपना पारंपरिक काम जारी रखेगी। - **हेमंत सोरेन,** सीएम, झारखंड

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026

प्रारूप (एक)

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं शिवनाथ रावत (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र / सुपुत्री / पत्नी गहिर राम यादव, शहर /गाँव- सुरंगपानी उपरपारा तहसील-पत्थलगांव जिला जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम-शिवनाथ रावत (पुराना नाम) से बदल कर शिवनाथ यादव (नया नाम) रख लिया है।

शिवनाथ रावत

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026

प्रारूप (एक)

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं फरन्दर नाग (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र / सुपुत्री / पत्नी धनुर्जय नाग, शहर / गाँव-कुकरगाँव, खडामाचा, तहसील-पत्थलगांव जिला- जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम फरन्दर नाग (पुराना नाम) से बदल कर पुरंदर नाग. (नया नाम) रख लिया है।

फरन्दर नाग

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुभाष चन्द्र अग्रवाल आ.स्व. रामप्रताप अगनाल, उम्र 60 वर्ष, जाति अग्रवाल, निवासी देवीगंज रोड़ अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक एवं अनावेदक क्र 1 से 3 कृष्ण कुमार अग्रवाल, अजय कुमार अग्रवाल, अजीत कुमार अग्रवाल के पिता रामप्रताप अग्रवाल एवं अना०क्र० 4 से 5 सतीश अग्रवाल, पवन अग्रवाल के पिता काशीराम अग्रवाल के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, शीट नं. 02, मोहल्ला देवीगंज रोड़ स्थित नजूल भूमि खसरा नंबर 514, 515/1, 516, 520 रकबा क्रमशः 0.04, 0.01, 0.02, 0.12 एकड़ भूमि/मकान है। भूधारक रामप्रताप अग्रवाल की मृत्यु दिनांक 31.08.2004 एवं काशीराम अग्रवाल की मृत्यु दिनांक 12.12.2017 को हो गई है, जिस कारण उक्त भूमि के नजूल अभिलेख से मृत्तक रामप्रताप अग्रवाल एवं काशीराम अग्रवाल का नाम विलोपित करते हुये स्वयं सहित अनावेदकगण के नाम से उक्त भूमि का फौती नामांतरण किये जाने हेतु आवेदक द्वारा मृत्तक भूधारकों के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-27/08/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 11/08/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

अखिलेश यादव बोले, बिल के विरोध में एकजुटता से खड़ा है समूचा विपक्ष

हंगामे के बीच लोकसभा में पारित एफसीआरए बिल को जेपीसी को भेजने का प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली

प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्यवाही और गृह मंत्री के जवाब की मांग को लेकर लोकसभा में बुधवार को हुए जोरदार हंगामे के बीच सरकार ने एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। जिसके तहत केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय द्वारा विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक-2026 (एफसीआरए) को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजने के लिए रखा गया प्रस्ताव पारित हो गया है।

अब यह समिति सदन में अपनी रिपोर्ट संसद के शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के अंतिम दिन पेश करेगी। गौरतलब है कि सरकार ने एफसीआरए विधेयक संसद के पिछले बजट सत्र के दौरान 25 मार्च 2026 को लोकसभा में पेश किया था। जिसका एक मुख्य प्रावधान यह है कि अगर किसी एनजीओ या संगठन का एफसीआरए रजिस्ट्रेशन रद्द हो जाता है, समाप्त हो जाता या उसे सरेंडर करने की स्थिति में उसके द्वारा तैयार की गई संपत्तियों को एक प्राधिकरण के अधीन कर दिया जाएगा। इसके अलावा नियमों के उल्लंघन पर दी जाने वाली सजा को 5 साल से घटाकर 1 साल कर दिया गया है।

समिति में होंगे कुल 31 सदस्य

राय ने इस संबंध में प्रस्ताव रखते हुए बताया कि जेपीसी की कुल सदस्य संख्या 31 होगी। जिसमें लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 सदस्य शामिल होंगे। दोनों सदनों के अध्यक्षों द्वारा सदस्यों का चयन किया जाएगा। समिति की आधिकारिक बैठक आयोजित करने के लिए न्यूनतम कोरम इसकी कुल सदस्य संख्या

यानी 31 का करीब एक तिहाई निर्धारित किया गया है। जेपीसी के कामकाज पर संसदीय समितियों से संबंधित लोकसभा की प्रक्रिया और कार्य संचालन नियम लागू होंगे। जिनमें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा आवश्यकतानुसार संशोधन किए जा सकेंगे। इसके अलावा इस प्रस्ताव के जरिए लोकसभा ने राज्यसभा से जेपीसी में शामिल होने और अपने 10 सदस्यों के नामों की औपचारिक सूचना देने की सिफारिश की है।

विपक्ष ने उठाई बिल को वापस लेने की मांग

कांग्रेस की अगुवाई में अन्य सभी विपक्षी दलों ने गृह राज्य मंत्री द्वारा विधेयक को जेपीसी को भेजने के प्रस्ताव के साथ ही इसका एकजुटता के साथ कड़ा विरोध किया।

कांग्रेस सांसद के.सी.वेणुगोपाल ने कहा कि हमें इस मामले को लेकर अभी इस वक्त ही जानकारी दी गई है। विधेयक के जरिए सरकार उन गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ), संस्थाओं तथा खासतौर पर अल्पसंख्यक समुदाय और उनके अच्छे कार्यों को निशाना बनाने की कोशिश कर रही है। इसलिए हमारी मांग है कि केंद्र को इस विधेयक को वापस लेना चाहिए। इन सबके बीच हंगामा चला रहा और पीठासीन सभापति ने कार्यवाही को 2 बजकर 27 मिनट से 3 बजे तक स्थगित कर दिया।

अखिलेश-रिजिजू में हुई तीखी नोकझोंक

दोपहर 3 बजे पुनः शुरू हुई कार्यवाही के दौरान सदन में संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू और समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीच तीखी नोंकझोंक भी देखने को मिली। अखिलेश ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह एफसीआरए संशोधन विधेयक देश के अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ है। इसलिए पूरा विपक्ष इसके विरोध में खड़ा है। उन्होंने ये भी कहा कि सरकार आज तक जो विधेयक लेकर आई है। वह सभी अल्पसंख्यकों के खिलाफ ही थे। सपा प्रमुख के इन आरोपों को सरकार की तरफ से किरण रिजिजू ने दो टूक अंदाज में सिरे से खारिज करते हुए कहा कि विधेयक के माध्यम से केंद्र अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने के बजाय देश को सुरक्षित करने के लिए नियम बना रही है।

झूठ और भ्रम फैला रहे सपा प्रमुख

संसदीय कार्यमंत्री ने यह भी कहा कि मैं, सपा प्रमुख को यह चुनौती देता हूं कि वो इस विधेयक में अल्पसंख्यकों के खिलाफ मौजूद एक भी प्रावधान दिखाएं। ऐसा कोई प्रावधान इस विधेयक में मौजूद नहीं है। इसका उद्देश्य सिर्फ और सिर्फ देश में आने वाले विदेशी धन को नियमित और नियंत्रित करना है। अखिलेश यादव ने सदन में विधेयक को लेकर केवल झूठ और भ्रम फैलाने का प्रयास किया है। जबकि इसके उलट यह विधेयक देश के किसी भी समुदाय के कल्याण और सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) सांसद टीआर.बालू ने कहा कि विधेयक को जेपीसी को भेजने के लिए यूं अचानक लाए गए प्रस्ताव के बीच हमारी मांग है कि इस विधेयक को सरकार को तुरंत वापस लेना चाहिए।

समिति को बताएं अपनी आपत्तियां

रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस समेत अन्य दलों ने पहले विधेयक को जेपीसी, सेलेक्ट कमेटी व अन्य संसदीय समितियों के पास भेजने की मांग की। जिसे सरकार ने पूरा कर दिया है। लेकिन अब भी अगर उन्हें कुछ मसला है तो वह अपनी आपत्ति को जेपीसी के समक्ष उठाने के लिए पूरी तरह से स्वतंत्र हैं। पहले जेपीसी की मांग की और अब अपनी ही बात से विपक्ष पलट रहा है।

सबने अपनी बात रखी, अब सदन चलने दें

पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने विपक्षी दलों को अध्यक्ष के आसन लगातार हंगामे करने पर आपत्ति जताते हुए कहा कि मैंने एफसीआरए विधेयक पर लाए गए प्रस्ताव के संबंध में सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष से सभी को बोलने का अवसर दिया है। ऐसे में अब सदन चलाने में क्या समस्या है? केंद्र ने इस विधेयक की प्रति प्रत्येक दल के मुखिया और उनके तमाम सांसदों को भेज दी है। ताकि इस पर सदन में विस्तार से चर्चा हो सकेगी। मैं, सरकार का इसके लिए धन्यवाद करता हूं। विपक्ष को भी केंद्र के प्रति अपना आभार जताना चाहिए।

कोऑपरेटिव को बढ़ावा देने वाला एनसीडीसी संशोधन विधेयक राज्यसभा से पारित

नई दिल्ली

संसद ने राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) संशोधन विधेयक, 2026 को पारित कर दिया है। राज्यसभा ने बुधवार को विधेयक को मंजूरी दी। इससे पहले लोकसभा इसे पारित कर चुकी थी। अब यह विधेयक कानून बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने राज्यसभा में विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि इसका उद्देश्य देश के करोड़ों किसानों के कल्याण और आर्थिक सशक्तीकरण को मजबूत करना है।

औद्योगिक वस्तुओं के क्षेत्र में भी एनसीडीसी की भूमिका: विधेयक के तहत राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम अधिनियम, 1962 में संशोधन किया गया है। संशोधन के बाद एनसीडीसी को सहकारी क्षेत्र के विकास से जुड़ी गतिविधियों के साथ-साथ औद्योगिक वस्तुओं से संबंधित गतिविधियां संचालित करने का अधिकार मिलेगा। इसके अलावा राज्य सरकारें एनसीडीसी से प्राप्त वित्तीय सहायता को सहकारी विकास से जुड़े किसी भी संस्थान या इकाई तक पहुंचा सकेंगी। अब सीधे किसी सहकारी समिति या सहकारी विकास में लगी किसी अन्य इकाई को ऋण और अनुदान उपलब्ध कराया जा सकेगा।

12 वर्षों में वित्तीय सहायता में बड़ा इजाफाः मोहोलः मोहोल ने कहा कि एनसीडीसी की स्थापना 1963 में सहकारी क्षेत्र के संगठित और सतत विकास के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी। उन्होंने दावा किया कि 1963 से 2014 तक पिछली सरकारों के कार्यकाल में एनसीडीसी के माध्यम से लगभग 45 हजार करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी गई थी। 2014 के बाद 12 वर्षों में यह राशि बढ़कर 4 लाख करोड़ हो गई है।

देश में 8 लाख से अधिक सहकारी समितियांः मंत्री ने कहा कि सहकारी क्षेत्र दुनिया के सबसे बड़े सहकारी नेटवर्क में शामिल है। देश में 8 लाख से अधिक सहकारी समितियां हैं और लगभग 30 करोड़ लोग इनसे जुड़े हुए हैं। करीब 80 हजार प्राथमिक कृषि ऋण समितियों का कंप्यूटरीकरण किया जा रहा है। इन पैक्स को लगभग 25 अलग-अलग प्रकार की कारोबारी गतिविधियां संचालित करने में सक्षम बनाया गया है।

सहकारी क्षेत्र के लिए प्रशिक्षित युवाओं पर जोरः मोहोल ने कहा कि सहकारी क्षेत्र के लिए प्रशिक्षित और कुशल मानव संसाधन तैयार करने के उद्देश्य से त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है। विश्वविद्यालय के माध्यम से 5वर्षों में करीब 17 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा, जो आगे सहकारी क्षेत्र में योगदान करेंगे। 5 वर्षों में सहकारी क्षेत्र में 163 से अधिक प्रमुख पहल शुरू की गई हैं। सरकार का कहना है कि एनसीडीसी संशोधन विधेयक से सहकारी संस्थाओं के लिए वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता बढ़ेगी और किसानों तथा सहकारी क्षेत्र से जुड़े करोड़ों लोगों के आर्थिक सशक्तीकरण को नई गति मिलेगी।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण इरशाद खान, इरफान खान, रशिदा खातुन आ.स्व. मुश्तकीम खान, सभी निवासी मोमिनपुरा अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण की माता श्रीमती वाजदा खातुन पत्नी मो. मुस्तकीम खान के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, मोहल्ला शीट नं. 08 स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 2445, 2446 रकबा 0.13, 0.02 एकड़ भूमि है। उक्त वर्णित भूमि को श्रीमती वाजदा खातुन के द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र के माध्यम से क्रय किया गया था, जिसमें प्लॉट नंबर 2445, 2446 रकबा क्रमशः 0.02, 0.07 दर्ज है जो मेनटेनेंस खसरा में त्रुटिवश रकबा 0.13 एवं 0.02 एकड़ दर्ज हो गया है तथा वाजदा खातुन के पति का नाम मुस्तकीम खान है जो त्रुटिवश मुस्तफा दर्ज हो गया है। उक्त त्रुटि को सुधार कर रिकार्ड दुरूस्त किये जाने हेतु मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 115 116 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 19/08/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 03/08/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गायत्री देवी पत्नी सुनील अग्रवाल निवासी सदर रोड अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित भूमि खसरा नंबर 323/37 रकबा 0.017 हे0 भूमि को अनावेदक नमीता जिंदल पत्नी दीपक जिंदल व अन्य निवासी दरीर्पारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राशि रुपए 16,55,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 07/09/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः 11/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण अनिल चतुवेर्दी. सुनिल चतुवेर्दी, सुशील चतुवेर्दी, सुजीत चतुवेर्दी आ.स्व. अक्षयवट चतुवेर्दी, सभी निवासी ब्रम्ह रोड शीतला वार्ड अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण की माता उमा देवी पत्नी स्व. अक्षयवट चौबे के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, मोहल्ला सत्तीपारा स्थित नजूल भूमि खसरा नंबर 3389/12 रकबा 0.02 एकड़ भूमि है। आवेदकगण की माता उमा देवी की मृत्यु दिनांक 15.12.2021 को हो गई है, जिस कारण उक्त भूमि के नजूल अभिलेख से मृत्तक उमा देवी का नाम विलोपित करते हुये स्वयं के नाम से उक्त भूमि का फौती नामांतरण किये जाने हेतु आवेदकगण द्वारा मृत्तक उमा देवी के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-31/08/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-13/08/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अशोक कुमार जिन्दल आ०अशोक जिन्दल जाति अग्रवाल निवासी मणीपुर दरीर्पारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की व्यपवर्तित भूमि ग्राम नमनाकला स्थित भूमि खसरा नंबर 151/127 रकबा 0.015 हे0 भूमि को अनावेदक नितेश कुमार मिततल आ०राजेश कुमार अग्रवाल निवासी भैयाथान रोड सूरजपुर छ0ग० के पास अंकन राशि रुपए 15,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 07/09/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः 11/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

तिरंगा महोत्सव में देशभक्ति के रंग में रंगा सोनभद्र

सोनभद्र। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आज हरसेवानंद पब्लिक स्कूल, चुर्क में तिरंगा महोत्सव, तिरंगा मेला एवं तिरंगा प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। तिरंगे के रंगों से सजे परिसर में देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, आकर्षक रंगोली एवं प्रदर्शनी ने राष्ट्रप्रेम का अद्भुत वातावरण बनाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हंसराज विश्वकर्मा राज्य मंत्री सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग उत्तर प्रदेश शासन, विशिष्ट अतिथि संजीव कुमार गोंड राज्य मंत्री समाज कल्याण अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग अजीत सिंह खरवार उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग, सदर विधायक भूपेश चौबे, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल गुप्ता, विद्यालय के प्रधानाचार्य सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के शुभारंभ पर अतिथियों ने विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार रंगोली एवं प्रदर्शनी का अवलोकन किया। बच्चों ने अपनी कला एवं रचनात्मकता के माध्यम से तिरंगे, स्वतंत्रता संग्राम, राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया। अतिथियों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। तिरंगा महोत्सव कार्यक्रम में हरसेवानंद पब्लिक स्कूल, डीएवी स्कूल, बेसिक विद्यालय रौंप, समाज कल्याण विभाग के आश्रम पद्धति विद्यालय सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक दिलीप विश्वकर्मा आ० स्व० शोभनाथ विश्वकर्मा, निवासी अग्रसेन वार्ड नं0 38 अग्रसेन चौक अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला सदर रोड़, नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-08 स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 2840/1 रकबा 0.02 1/4 एकड़ भूमि को अपने पुत्र अनावेदक सौरभ विश्वकर्मा आ० स्व० दिलीप विश्वकर्मा निवासी हाउस नं0 4 महामाया बुक डिपो अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर के पक्ष में दान करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 25/08/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 07/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एत्तद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका कमलादेवी अग्रवाल आ०/पति डॉ० महावीर प्रसाद अग्रवाल जाति निवासी जेल रोड़, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-लखनपुर रोड़, शीट नम्बर-11 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 4531/46, 4531/35, 4531/14, 4531/18 रकबा 116७25, 0.04 3/4,0.04,0.03 1/4 वर्गफीट, एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 21/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः 06/0882026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०- /ब-121/2025-2

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सरिता अग्रवाल पत्नी विजय अग्रवाल निवासी एम०जी०रोड जवाहर मार्केट अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित भूमि खसरा नंबर 323/36 रकबा 0.017 हे0 भूमि को अनावेदक नमीता जिंदल पत्नी दीपक जिंदल व अन्य निवासी दरीर्पारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राशि रुपए 16,55,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 07/09/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः 11/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका सुनील कुमार सोनी आ०/पति शंकर प्रसाद सोनी जाति निवासी गुरुद्वारा वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-मायापुर, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1593/4 रकबा 2570.4 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 17.08.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।आज दिनांकः- 30.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका महावीर प्रसाद अग्रवाल आ०/पति रलदू राम अग्रवाल जाति निवासी जेल रोड़, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-लखनपुर रोड़, शीट नम्बर-11 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 4531/48 रकबा 0.03 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 21/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः 06/0882026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका अनिल कुमार, सुनील कुमार आ०/पति डॉ० एम०पी० अग्रवाल जाति निवासी जेल रोड़, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-लखनपुर रोड़, शीट नम्बर-11 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 4531/17 रकबा 0.10 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 21/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः 06/0882026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जितेन्द्र कुमार जिन्दल आ०अशोक जिन्दल निवासी मणीपुर दरीर्पारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की व्यपवर्तित भूमि ग्राम नमनाकला स्थित भूमि खसरा नंबर 151/278 रकबा 0.015 हे0 भूमि को अनावेदक नितेश कुमार मिततल आ०राजेश कुमार अग्रवाल निवासी भैयाथान रोड सूरजपुर छ0ग0 के पास अंकन राशि रुपए 15,00,000/-में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 07/09/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः 11/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विकास कुजूर आ० इलियाजर कुजूर व अन्य जाति उरांव निवासी ग्राम गंगापुरखुर्द तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा के द्वारा ग्राम गंगापुरखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 13/3, 10/3 रकबा 0.109, 0. 109 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में वसीयतनामा दिनांक 27.06.2013 के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 24/08/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 10/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

'सुदृढ़ कृषि व्यवस्था और पारदर्शी सुशासन से बदल रहा छत्तीसगढ़ के किसानों की तकदीर'

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। देश 80वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मना रहा है। इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में कृषि को नई दिशा दी है। अब खेती सिर्फ उत्पादन नहीं, बल्कि आधुनिक, पारदर्शी, तकनीक आधारित और किसान-केंद्रित मॉडल बन चुकी है।कृषि मंत्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन और कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी के निर्देशन में तैयार इस मॉडल की चर्चा अब राष्ट्रीय स्तर पर हो रही है।

प्रदेश में 48.69 लाख हेक्टेयर के लक्ष्य के विरुद्ध 11 अगस्त तक 45.62 लाख हेक्टेयर अर्थात लगभग 94 प्रतिशत क्षेत्र में बोनी पूरी हो चुकी है। किसानों को अब तक 11.23 लाख मीट्रिक टन उर्वरक तथा 4.55 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरित किए जा चुके हैं। उर्वरकों के 15.55 लाख मीट्रिक टन लक्ष्य के विरुद्ध 15.83 लाख मीट्रिक टन का भंडारण कर राज्य ने यह सुनिश्चित किया कि किसी भी किसान को खाद की कमी का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वयं अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सुगमता से प्रमाणित खाद-बीज उपलब्ध कराया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कठोर कार्रवाई हो।

कृषि क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि उर्वरकों की गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था रही है। कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी के नेतृत्व में विभाग ने नकली एवं अमानक उर्वरकों के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाया। वर्ष 2025 की तुलना में वर्ष 2026 में प्रवर्तन कार्रवाइयों में 11.20 गुना वृद्धि दर्ज हुई और कुल कार्रवाई 44 से बढ़कर 493 मामलों तक पहुंच गई। न्यायालयीन प्रकरण 4 से बढ़कर 65, जब्ती की कार्रवाई 2 से बढ़कर 107, लाइसेंस निलंबन 3 से बढ़कर 106, लाइसेंस निरस्तीकरण 2 से बढ़कर 15 तथा विक्रय प्रतिबंध 33 से बढ़कर 189 मामलों तक पहुंचा। पहली बार ग्यारह एफआईआर दर्ज होना विभाग की शून्य सहिष्णुता नीति का प्रमाण है।

सरकार की किसान हितैषी नीतियों का प्रभाव केवल उर्वरकों तक सीमित नहीं है। कृषक उन्नति योजना के माध्यम से खरीफ 2023 से खरीफ 2025 तक लगभग 25.52 लाख किसानों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के जरिए 35,892.90 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत 24.63 लाख किसानों को 23वीं किस्त के रूप में 493 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मिली। किसानों की सुविधा के लिए एग्रीस्टैक, ई-केवाईसी और डिजिटल सेवाओं का विस्तार कर योजनाओं को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया गया है। कृषि को आधुनिक स्वरूप देने के लिए राज्य सरकार ने कृषि यंत्रीकरण, सूक्ष्म सिंचाई और प्राकृतिक खेती पर विशेष बल दिया है। अब तक 7,745 किसानों को आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध कराए गए हैं तथा 568 फार्म मशीनरी बैंक स्थापित किए गए हैं। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत लगभग 41,967 हेक्टेयर क्षेत्र में ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई का विस्तार किया गया है। वहीं 57 हजार से अधिक किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़कर पर्यावरण संरक्षण और कम लागत वाली खेती को प्रोत्साहित किया गया है। उद्यानिकी, पशुपालन और मत्स्य पालन के क्षेत्रों में भी राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। उद्यानिकी फसलों का रकबा बढ़कर 8.91 लाख हेक्टेयर पहुंच चुका है। ऑयल पाम और बांस रोपण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जबकि हाईटेक नर्सरी, पैक हाउस और कोल्ड स्टोरेज जैसी अधोसंरचनाएं तेजी से विकसित की जा रही हैं। पशुपालन में दुग्ध उत्पादन, डेयरी भुगतान व्यवस्था और मोबाइल पशु चिकित्सा सेवाओं का विस्तार हुआ है, वहीं मत्स्य उत्पादन लगभग 23 प्रतिशत बढ़कर 9.59 लाख टन तक पहुंच गया है, जिससे छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी मत्स्य उत्पादक राज्यों में शामिल हो चुका है। स्वतंत्रता के 79 वर्षों की इस ऐतिहासिक बेला पर छत्तीसगढ़ का कृषि परिदृश्य स्पष्ट संकेत देता है कि सरकार की योजनाबद्ध नीति, प्रभावी प्रशासन, पारदर्शी व्यवस्था और किसानों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण ने खेती-किसानी को नई ऊर्जा प्रदान की है। गुणवत्तापूर्ण उर्वरकों की उपलब्धता, कठोर गुणवत्ता नियंत्रण, डिजिटल सेवाओं का विस्तार, आधुनिक तकनीकों का समावेश और किसान-केंद्रित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन प्रदेश के कृषि विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व, कृषि मंत्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन और कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी के प्रशासनिक नेतृत्व में छत्तीसगढ़ आत्मनिर्भर, आधुनिक और समृद्ध कृषि व्यवस्था की दिशा में एक सशक्त उदाहरण बनकर उभर रहा है।

18 महीने में 8 लाख करोड़ के प्रस्ताव, ईज ऑफ डूइंग में छत्तीसगढ़ देश में नंबर 1 पर - मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भारतीय उद्योग परिसंघ सीआईआई के सहयोग से आयोजित छत्तीसगढ़ इंडस्ट्री डायलॉग ऑन ग्रीन स्टील में 13,840 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन परियोजनाओं से प्रदेश में 10,921 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

स्टील का मूल्य संवर्धन यहीं हो

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्टील और खन छत्तीसगढ़ की औद्योगिक पहचान की मजबूत नींव हैं और आगे भी हमारी ताकत बने रहेंगे। अब समय इस नींव पर औद्योगिक विकास की नई इमारत खड़ी करने का है।उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारा लक्ष्य केवल स्टील उत्पादन तक सीमित नहीं होना चाहिए। छत्तीसगढ़ में उत्पादित स्टील का अधिकतम मूल्य संवर्धन भी प्रदेश के भीतर ही होना चाहिए। स्टील को ऑटो कम्पोनेंट्स, इंजीनियरिंग उत्पाद, रेलवे, रक्षा और सौर ऊर्जा उपकरणों जैसे डाउनस्ट्रीम एवं स्पेशियलिटी उत्पादों में बदला जाए। जब मूल्य संवर्धन यहीं होगा तो रोजगार भी यहीं सृजित होंगे। राज्य सरकार इस दिशा में निवेश करने वाले प्रत्येक निवेशक के साथ पूरी प्रतिबद्धता से खड़ी है।

ग्रीन स्टील की ओर बढ़ रहा छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री ने कहा कि शून्य कार्बन उत्सर्जन के वैश्विक लक्ष्यों के अनुरूप दुनिया तेजी से ग्रीन स्टील की ओर बढ़ रही है।

छत्तीसगढ़ उन अग्रणी राज्यों में है जिन्होंने इस बदलाव को समय रहते अपनाया है। प्रदेश में 26 हजार मेगावाट से अधिक विद्युत उपलब्धता और प्रतिस्पर्धी औद्योगिक विद्युत दरें ऊर्जा-आधारित डाउनस्ट्रीम मैन्युफैक्चरिंग के लिए छत्तीसगढ़ को विशेष रूप से अनुकूल बनाती हैं।

18 महीने में 8 लाख करोड़ के प्रस्ताव

मुख्यमंत्री ने बताया कि नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 ने निवेश के नए द्वार खोले हैं। पिछले 18 महीनों में लगभग 8 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसमें स्टील, खन के साथ ए आई-डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर, फार्मा, टेक्सटाइल, एग्रो-प्रोसेसिंग जैसे भविष्य के क्षेत्र भी शामिल हैं। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जिसने ह्यईज ऑफ डूइंग बिजनेस एक्टह्ण लागू किया। इससे 15 लाख एमएसएमई को लाभ मिलेगा। क्रिसिल-नीति आयोग सूचकांक 2026 में छत्तीसगढ़ ने रेगुलेटरी ईज और इंस्टीट्यूशनल एनवायरनमेंट में प्रथम स्थान पाया है।

नए जिलों में औद्योगिक पार्क

औद्योगिक विकास अब रायपुर-भिलाई से आगे बढ़कर नए जिलों तक जा रहा है। राजनांदगांव, धमतरी, जांजगीर-चांपा और बस्तर में 4 नए औद्योगिक पार्क स्वीकृत हुए हैं। राजनांदगांव में 306 एकड़ में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर को भारत सरकार की स्वीकृति मिली है। इससे 9 हजार रोजगार बनेंगे। सेमीकंडक्टर, ईवी और स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों ने इसमें रुचि दिखाई है।

मुख्यमंत्री का निवेशकों को न्योता

मुख्यमंत्री साय ने कहा, हमारी नीति स्पष्ट है, प्रक्रियाएं पारदर्शी हैं और अनुमतियां तय समय-सीमा में मिल रही हैं। यहां रेड टेप के लिए कोई जगह नहीं है। हम साथ मिलकर काम करेंगे और साथ मिलकर सफलता की नई कहानी लिखेंगे।

कृषि मंत्री ने छात्रों को दिया सहकार से रोजगार का मंत्र

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। विद्यार्थियों को रोजगार के अवसरों से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने विद्यार्थियों को सहकार से रोजगार का मंत्र दिया। कृषि महाविद्यालय रायपुर के सेमिनार हॉल में भारतीय श्रम समिति नई दिल्ली, भारतीय गुणवत्ता परिषद एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कायार्शाला में नेताम ने कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक गतिविधियों का माध्यम नहीं, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता का

प्रभावी रास्ता भी है। कृषि मंत्री ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में युवाओं को केवल नौकरी की तलाश करने के बजाय रोजगार सृजक बनने की दिशा में भी सोचने की आवश्यकता है। सहकारी संस्थाओं के माध्यम से युवा मिलकर संसाधनों, तकनीक और बाजार का बेहतर उपयोग कर छोटे और मध्यम स्तर के उद्यम स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि, दुग्ध उत्पादन, लघु वनोपज, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प और सेवा क्षेत्र सहित अनेक क्षेत्रों में सहकारिता के माध्यम से रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। युवाओं की प्रतिभा, तकनीकी ज्ञान और नवाचार को सहकारिता से जोड़कर स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को गति दी जा सकती है। छत्तीसगढ़ में सहकारी क्षेत्र में गठित महिला स्व-सहायता समूह तथा किसान उत्पादक संगठन इस दिशा में प्रशंसनीय कार्य कर रहे हैं। कृषि मंत्री ने छात्रों से आह्वान किया कि वे सहकारिता की भावना को समझें, टीम के रूप में कार्य करें और स्थानीय संसाधनों को स्थानीय रोजगार में बदलने का प्रयास करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने की। युवाओं को सहकारिता के माध्यम से रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने हेतु आयोजित इस एक दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यशाला में भारतीय श्रम समिति, नई दिल्ली के अध्यक्ष लखन लाल साहू, जिला सहकारी बैंक, रायपुर के अध्यक्ष निरंजन सिन्हा, राज्य सहकारी संघ के अध्यक्ष सौरभ शर्मा, जिला सहकारी संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह एवं सहकारी संघ नई दिल्ली के संचालक सदस्य शिव श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में सहकारिता से संबंधित विभिन्न संस्थाओं के भी पदाधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने सहकारिता, रोजगार और उद्यमिता से जुड़े विभिन्न विषयों पर संवाद किया। कृषि महाविद्यालय रायपुर की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. एस.एस. टूटेजा, विभिन्न विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

केस प्रॉपर्टी गुम होने का झंझट खत्म, रायपुर कमिश्नरेट में शुरू हुआ डिजिटल मालखाना

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। स्मार्ट पुलिसिंग की दिशा में रायपुर कमिश्नरेट ने बड़ा कदम उठाया है। राजधानी के सभी 21 थानों में ई-मालखाना 2.0 प्रणाली लागू कर दी गई है। यानी अब कमिश्नरेट के 100 प्रतिशत थाने डिजिटल मालखाना से जुड़ गए हैं।पुलिस आयुक्त संजीव शुक्ला के मार्गदर्शन और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित कांबले के निर्देशन में इस तकनीक आधारित व्यवस्था की शुरूआत की गई। पश्चिम पुलिस उपायुक्त रॉबिंसन गुड़िया द्वारा विकसित ई-मालखाना 2.0 सॉफ्टवेयर का शुभारंभ किया गया। इस अवसर

पर एक साथ 10 नए ई-मालखानों का उद्घाटन भी हुआ।

बारकोड से होगी हर चीज की पहचान

ई-मालखाना 2.0 की सबसे बड़ी खासियत बारकोड आधारित डिजिटल ट्रैकिंग है। अब थानों में जमा प्रत्येक जब्त वस्तु और केस प्रॉपर्टी को एक यूनिक बारकोड दिया जाएगा। बारकोड स्कैन करते ही उस सामान की पूरी जानकारी स्क्रीन पर आ जाएगी। जैसे- केस का विवरण, जब्ती की तारीख, जमा करने वाले की जानकारी, वर्तमान स्थिति, अन्य जरूरी रिकॉर्ड। इससे पुलिसकर्मियों को सामान खोजने और निगरानी करने में आसानी होगी। रिकॉर्ड में गड़बड़ी और सामान गुम होने की संभावना भी कम हो जाएगी।

बिश्रामपुर में दिल्ली ट्रेन के ठहराव के लिए मंत्री राजवाड़े ने रेलवे अधिकारियों से की चर्चा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर जिले के बिश्रामपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन क्रमांक 22407/22408 अंबिकापुरझझहजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस के नियमित ठहराव की मांग के संबंध में रेलवे अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक पहल करने का आग्रह किया है। शिवनंदनपुर-बिश्रामपुर की रेल संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों ने मंत्री श्रीमती राजवाड़े से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बिश्रामपुर एवं आसपास के क्षेत्र के यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए उक्त ट्रेन के नियमित ठहराव की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि बिश्रामपुर क्षेत्र के विद्यार्थियों, कर्मचारियों, व्यापारियों, मरीजों एवं अन्य

यात्रियों को दिल्ली तथा अन्य प्रमुख स्थानों तक आवागमन के लिए पर्याप्त सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। नियमित ठहराव से क्षेत्र के लोगों को यात्रा में सुविधा प्राप्त होगी। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने मामले को गंभीरता से लेते हुए रेलवे के संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा की। उन्होंने बिश्रामपुर क्षेत्र की जनसुविधा एवं यात्रियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ट्रेन के नियमित ठहराव के संबंध में सकारात्मक विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की सुविधा से जुड़े विषयों पर संबंधित विभागों एवं अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर आवश्यक पहल की जा रही है। उन्होंने कहा कि बिश्रामपुर में ट्रेन का नियमित ठहराव होने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं व्यापारिक गतिविधियों को भी लाभ होगा। रेल संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों ने उनकी मांग पर त्वरित ध्यान दिए जाने के लिए मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ में एक स्मारक के लिए तरस रहा 22 फ्रीडम फाइटर का गांव

रुद्र अवस्थी

आजादी की लड़ाई का किस्सा हिंदुस्तान की कहानी का अहम हिस्सा है। उसी तरह छत्तीसगढ़ में मुंगेली जिले के देवरी गांव की कहानी का अहम हिस्सा है कि इस छोटे से गांव से 22 स्वंतत्रता संग्राम सेनानियों ने आजादी की लड़ाई में अपनी भूमिका निभाई। कई आंदोलनों में हिस्सा लेकर इस गांव के लोगों ने जेल यात्रा भी की और कांग्रेस के करांची अधिवेशन में भी शिरकत करने पहुंच गए। जिस बिलासपुर जिले की जेल में निरुद्ध रहकर महान कवि पं. माखन लाल चतुर्वेदी ने अपनी कालजयी रचना ह्यपुष्प की अभिलाषाह्णलिखी थी, तब के बिलासपुर जिले के एक छोटे से गांव देवरी के लोग भी एक नई कहानी लिख गए। इतिहास को

वर्तमान की जमीन पर पढ़ने की गरज से हाल ही में देवरी गांव पहुंचे तो लगा कि अपने तरह के इस गांव की गौरव गाथा गुमनाम सी है और स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास के सुनहरे पन्नों को समेटे इस गांव के लोग एक अदद स्मारक के साथ ही अपनी पहचान-सम्मान के लिए आज भी संघर्ष कर रहे हैं। मुंगेली जिला बनने से पहले देवरी गांव बिलासपुर जिले में शामिल था। जिसका नाम लोगों ने कम ही सुना होगा। लेकिन इस गांव की कहानी सुनकर किसी का भी सीना गर्व से चौड़ा हो जाएगा। बाहर से देखने में यह बिल्कुल एक आम, शांत सा गांव लगता है। खेत, हरियाली, रास्ते-पगडंडियां और कच्चे-पक्के रिहाइशी मकानों का झुंड। लेकिन इसी मिट्टी से देश की आजादी की लड़ाई में 22 वीर सपूत निकले थे, जिन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ डटकर मोर्चा लिया। एक छोटा सा गांव और उसमें से बाईस लोग एक साथ आजादी की लड़ाई में कूद पड़ते हैं। भारत छोड़ो आंदोलन हो, सविनय अवज्ञा आंदोलन हो, असहयोग आंदोलन हो या फिर जंगल सत्याग्रह। देवरी गांव के इन वीरों ने हर मोर्चे पर हिस्सा लिया, जेल की सलाखों के पीछे गए, अंग्रेजों की यातनाएं सहीं, और यहां तक कि कांग्रेस के ऐतिहासिक कराची अधिवेशन में भी जाकर अपनी उपस्थिति दर्ज की। देवरी के मालगुजार गजाधर साव सिर्फ इस गांव के नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम के एक बड़े स्तंभ माने जाते हैं। कहानी शुरू होती है साल 1905 से, जब गजाधर साव बनारस के कांग्रेस अधिवेशन में शामिल होकर आजादी के आंदोलन से जुड़ गए। इसके बाद 1917 में जब देश में होमरूल आंदोलन की लहर चली, तो गजाधर साव बिलासपुर शाखा के प्रमुख प्रतिनिधि बनकर उभरे। 1921 आते-आते उन्होंने विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार और स्वदेशी के प्रचार में आगे बढ़कर भूमिका निभाई। लेकिन असली कहानी शुरू होती है 25 मार्च 1931 को, जब गजाधर साव अपने गांव के करीब चौबीस साथियों को लेकर कांग्रेस के ऐतिहासिक कराची अधिवेशन में पहुंचे। सोचिए, आजादी से पहले के उस दौर में, संसाधनों की भारी कमी के बावजूद, एक छोटे से गांव से इतने लोगों का इतनी दूर जाकर राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल होना, यह अपने आप में एक बड़ी बात थी। अधिवेशन में उस वक्त के कांग्रेस अध्यक्ष सरदार वल्लभ भाई पटेल गजाधर साव की कार्यशैली और जोश से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने मंच से ही साव को छत्तीसगढ़ का तेज-तर्रार नेता कहकर संबोधित किया।

आज सद्भावना स्वतंत्रता दौड़

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिला प्रशासन तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आज शुक्रवार को सद्भावना स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन होगा।

आयोजन का उद्देश्य लोगों में देशभक्ति, सद्भावना, एकता एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। सद्भावना स्वतंत्रता दौड़ का प्रातः 7:30 बजे पुराना रेस्ट ऑफिस से प्रारंभ होकर अग्रसेन स्टेडियम तक आयोजित की जाएगी।

इसमें जिले के नागरिकों, युवाओं, खिलाड़ियों एवं विभिन्न वर्गों के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता की अपील की गई है। जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने जिलेवासियों से इस आयोजन में उत्साहपूर्वक शामिल होकर राष्ट्रीय एकता, सद्भावना और स्वस्थ समाज का संदेश देने का आह्वान किया है।

जांच तक सीमित न रहे अभियान, रोकथाम और उपचार भी हो सुनिश्चित : रेना जमील

कलेक्टर ने विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रगति की समीक्षा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। गुरुवार को कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की अध्यक्षता में जिला संयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई, जिसमें जिले में संचालित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति का विस्तृत आकलन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र पाटले, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कपिल पैकरा, सिविल सर्जन डॉ. अजय मरकाम, डीपीएम संदीप नामदेव, समस्त खंड चिकित्सा अधिकारी तथा विभिन्न कार्यक्रमों के नोडल एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर ने एनीमिया की स्थिति पर सर्वाधिक गंभीरता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्येक लक्षित हितग्राही तक समय पर पहचान, जांच, उपचार एवं पोषण परामर्श पहुंचना अनिवार्य है। उन्होंने सीएमएचओ को ग्राम पंचायत स्तर तक विशेष अभियान संचालित कर अधिक से अधिक बच्चों, किशोरियों एवं गर्भवती महिलाओं को इसके दायरे में लाने तथा

निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति की सतत निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पहल केवल जांच तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसका उद्देश्य रोकथाम एवं उपचार सुनिश्चित करना है, ताकि रक्ताल्पता के कारण किसी भी बच्चे, किशोरी अथवा गर्भवती महिला की जान न जाए। इसके लिए उन्होंने समस्त संबंधित विभागों को संवेदनशीलता के साथ मिशन मोड में कार्य करने का आह्वान किया। संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने पर विशेष बल देते हुए कलेक्टर ने कहा कि अधिक से अधिक प्रसव स्वास्थ्य संस्थानों में कराए जाने से ही मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में अपेक्षित कमी लाई जा सकती है। उन्होंने मैदानी अमले को गर्भवती महिलाओं को इसके लिए निरंतर प्रेरित करने तथा दोनों मृत्यु दरों को नगण्य स्तर पर लाने की दिशा में सुनियोजित प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने पोषण पुनर्वास केंद्र में गंभीर कुपोषित बच्चों को चिन्हांकित कर भर्ती कराने एवं उन्हें समुचित उपचार उपलब्ध कराने पर भी जोर देते हुए कुपोषण प्रभावित प्रत्येक बच्चे तक पहुंच सुनिश्चित करने को कहा।

समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य इंडिकेटर, मातृ स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, नियमित टीकाकरण, विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, एनीमिया मुक्त भारत, सिकल सेल, क्षय एवं कुष्ठ उन्मूलन, वेक्टर जनित रोग नियंत्रण, अंधत्व नियंत्रण, गैर संचारी रोग, मानसिक तथा मुख स्वास्थ्य, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, टेली परामर्श, डायलिसिस सेवाएं, वित्तीय प्रगति एवं आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की बिंदुवार पड़ताल की गई। क्षेत्रवार आकलन करते हुए संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा दस्तक अभियान के प्रभावी संचालन की रणनीति पर भी विचार-विमर्श हुआ।

कलेक्टर ने आरसीएच पोर्टल में शत-प्रतिशत प्रविष्टि तथा यू-विन पोर्टल पर समस्त टीकाकरण सत्रों के नियमित अद्यतन के निर्देश देते हुए ऑनलाइन रिपोर्टिंग में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरतने की हिदायत दी। योजनाओं से जुड़े लंबित भुगतानों का निराकरण अधिकतम सात दिवस के भीतर करने को भी कहा गया।

उन्होंने कहा कि समस्त स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन शासन की प्राथमिकता है, अतः अधिकारी एवं कर्मचारी आपसी समन्वय, नियमित मॉनिटरिंग तथा समयबद्ध रिपोर्टिंग के साथ जनसामान्य तक सेवाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें।

गंगौटी कांवड़ पदयात्रा की तैयारी पूरी, 17 को उमड़ेगी शिव भक्तों की टोली

सिद्ध बाबा व ओंकारेश्वर मंदिर में होगा जलाभिषेक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन के पावन अवसर पर श्री सिद्धेश्वरनाथ महादेव एवं ओंकारेश्वर महादेव भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए 17 अगस्त को कांवड़ियों की टोली मंदिर के लिए रवाना होगी। प्रातः 8 बजे गंगौटी शिव मंदिर में पूजा-अर्चना के पश्चात कांवड़ियों की टोली खुटरापारा स्थित गोबरी नदी से जल भरकर रवाना होगा।

श्रावण मास के अवसर पर होने वाली इस कांवड़ पदयात्रा के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं जो अब लगभग पूर्णता की ओर हैं। हर वर्ष के अनुसार इस वर्ष भी श्री सिद्ध बाबा बोल बम समिति के द्वारा यात्रा का आयोजन किया गया है, जिसके लिए समिति के सदस्यों ने यात्रा मार्ग के साथ संपूर्ण व्यवस्थाओं की रणनीति तैयार की है।

17 अगस्त को प्रातः 8 बजे शिव मंदिर में पूजा-पाठ कर गोबरी नदी से कांवड़ में जल भरकर रवाना होने वाले शिव भक्तों के लिए पूरे रास्ते भर जल-पान व भंडारे की व्यवस्था की गई है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सहयोग करने वाले समिति के सदस्यों द्वारा हाल ही में गंगौटी शिव मंदिर प्रांगण में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसके उपरांत पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए मंदिर परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। गोबरी नदी से जल उठाने के पश्चात कांवड़ यात्रियों द्वारा प्रथम जल श्री सिद्धेश्वरनाथ शिवलिंग पर एवं द्वितीय जल ओंकारेश्वर शिवलिंग गंगौटी में अर्पित किया जाएगा।

इस कांवड़ यात्रा में ग्राम पंचायत गंगौटी, डबरीपारा, बांसापारा, शिवपुर, खुटरापारा एवं भंवराही सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे, बूढ़े, युवा व महिलाएं भारी तादाद में भगवान भोलेनाथ के जयघोष के साथ शामिल होंगे।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर हुआ मैराथन दौड़ एवं निबंध प्रतियोगिता, पुलिस परिवार का आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जिले में विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन हेतु पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल द्वारा निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों के परिपालन में जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रों में युवाओं एवं विद्यार्थियों की सहभागिता से विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। बुधवार को चौकी लटोरी पुलिस द्वारा मैराथन दौड़ तथा चौकी कुदरगढ़ पुलिस द्वारा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। चौकी प्रभारी लटोरी सुनील सिंह की देखरेख में ग्राम चंदौरीडांड से लटोरी तक लगभग 5 किलोमीटर की मैराथन दौड़ आयोजित की गई। प्रतियोगिता में चौकी क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों के युवाओं एवं धावकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। मैराथन दौड़ में ग्राम अजबनगर के राहुल यादव ने प्रथम, ग्राम डुमरिया के शिवशंकर ने द्वितीय तथा ग्राम लटोरी बिहारपुर के गणेश सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को मेडल एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस दौरान ग्राम जगतपुर निवासी 12 वर्षीय बाल धावक घनश्याम कुशवाहा ने भी मैराथन दौड़ में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इतनी कम उम्र में उसकी दौड़ के प्रति रुचि एवं उत्साह को देखते हुए पुलिस द्वारा उसका उत्साहवर्धन किया गया तथा उसे मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया।चौकी प्रभारी कुदरगढ़ संजय यादव के द्वारा हाईस्कूल धूर में इस अवसर पर उनके जीवन एवं व्यक्तित्व पर आधारित निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विद्यालय के 123 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में चंदन सिंह ने प्रथम, जितेन्द्र राजवाड़े ने द्वितीय तथा संत कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।पुलिस द्वारा आयोजित इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं को राष्ट्र निर्माण, एकता, अनुशासन, खेल भावना तथा महान व्यक्तित्वों के जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करना है।

पुलिस अधीक्षक श्री पटेल ने मैराथन दौड़ एवं निबंध प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए विजेताओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.
रा०प्र०क्र० / 20(1) / 2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका संतोष मुखर्जी आ० / पति शिरिश मुखर्जी जाति निवासी जेलपारा, बाबूपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला सदर रोड़, शीट नम्बर–8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2854 / 1 रकबा 0.25 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावाध्आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 17 / 08 / 2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांक 30 / 07 / 2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.
रा०प्र०क्र० / 20(1) / 2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका संतोष मुखर्जी आ० / पति शिरिश मुखर्जी जाति, निवासी जेलपारा, बाबूपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला सदर रोड़, शीट नम्बर–8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2727 / 1. 2866 / 1 रकबा 0.09, 1753.15 एकड़ / वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 17 / 08 / 2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांक 30 / 07 / 2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.
रा०प्र०क्र० / 20(1) / 2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका संतोष मुखर्जी आ० / पति शिरिश मुखर्जी जाति, निवासी जेलपारा, बाबूपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला–बाबूपारा, शीट नम्बर 9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3456 / 1 रकबा 0.77 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक ध्आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 17 / 08 / 2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांक 30 / 07 / 2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.
रा०प्र०क्र० / 20(1) / 2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका संतोष मुखर्जी आ०ध्पति शिरिश मुखर्जी जाति, निवासी जेलपारा, बाबूपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला–बाबूपारा, शीट नम्बर–9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3528 / 9 रकबा 0.21 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 17 / 08 / 2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांक 30 / 07 / 2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालयः तहसीलदार भटगांव
जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क. 202605260100023 / अ–19 / 2025–26

ईश्तहार

ग्राम खोंपा, प.ह.नं.– 19

आम जनता ग्राम पंचायत खोंपा को सूचित किया जाता है कि आवेदक संस्था प्रभारी उप आयुक्त, सहकारिता एवं उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं जिला सूरजपुर द्वारा अपने पत्र क्रमांक 117 दिनांक 20.03.2026 के माध्यम से प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों की पुनर्गठन योजना 2025 के तहत् जिले में 5 नवीन आदिम जाति सेवा सहकारी समिति का गठन किये जाने के फलस्वरूप ग्राम खोंपा तहसील भटगांव स्थित भूमि खसरा नंबर 2696 रकबा 2.00 हे. भूमि चयन कर कार्यालय उप आयुक्त सहकारिता एवं उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं सूरजपुर के पक्ष में आबंटित करने का निवेदन किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 25 / 08 / 2026 तक स्वतः या अपने अभिभाषक के माध्यम से मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर दावा आपत्ति आवेदन प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 06 / 08 / 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
भटगांव जिला सूरजपुर (छ०ग०)

शपथ पत्र

(नाबालिग पुत्री के नाम परिवर्तन के मामले में)

मै मो. हसन (पिता का नाम) पिता मो. रमजान, उम्र लगभग 48 वर्ष, जाति मुसलमान, निवासी वार्ड क्रमांक–04 मियापारा, ग्राम पलमा, थाना भैयाथान, तहसील भैयाथान, जिला–सूरजपुर (छ.ग.) एतद् द्वारा मैं पूर्णतः पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँ :–

मैं ग्राम पलमा, थाना भैयाथान, तहसील भैयाथान, जिला–सूरजपुर (छ.ग.) का स्थायी निवासी हूँ। मैं अपनी नाबालिग पुत्री का नाम परजिना PARJINA पिता का नाम मोहम्मद हसन MOHAMMAD HASSAN जन्मतिथि 02 / 08 / 2008 को बदलवाकर पुत्री का नाम फरजीना खान FARJINA KHAN पिता का नाम मो. हसन MD HASSAN जन्मतिथि 17 / 04 / 2010 करवाना चाहता हूँ। मैं अपनी पुत्री का नाम बदलकर यदि कोई भी गैर कानूनी काम करता हूँ तो उसके लिये मैं स्वयं जिम्मेदार रहूँगा। मेरी पत्नी फातमा खान (पत्नी का नाम) को हमारे नाबालिग पुत्री का नाम बदलने पर कोई आपत्ति नहीं है। मैं यह शपथपत्र अपने पूरे होशो हवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूँ तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।

शपथकर्ता
मो. हसन

भाजपा किसान मोर्चा ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

ट्रैक्टर-बाइक-कारों के काफिले के साथ उमड़ा जनसैलाब, देशभक्ति गीतों से गूंजा क्षेत्र

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भाजपा किसान मोर्चा द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रभक्ति और देशप्रेम की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भव्य तिरंगा यात्रा एवं ट्रैक्टर रैली का आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में किसान, भाजपा कार्यकर्ता, युवा एवं आमजन ट्रैक्टर, बाइक और कारों के काफिले के साथ शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लेकर निकले कार्यकर्ताओं और किसानों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। यात्रा के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम् और देशभक्ति के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। देशभक्ति गीतों की धुन के साथ निकली इस रैली ने लोगों में राष्ट्रप्रेम और एकता की भावना को और मजबूत किया। तिरंगा यात्रा ने क्षेत्र के पाँच गांवों का भ्रमण किया। विभिन्न गांवों में ग्रामीणों द्वारा यात्रा का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। जगह-जगह लोगों ने तिरंगे का सम्मान करते हुए यात्रा में सहभागिता की। ट्रैक्टरों की लंबी कतार, बाइक और कारों का काफिला तथा हाथों में लहराते तिरंगे इस यात्रा के आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम में प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, रेडक्रॉस अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सत्यनारायण जायसवाल एवं भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष कपिल पांडे ने उपस्थित किसानों, कार्यकर्ताओं एवं आमजन को संबोधित किया। प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है तथा प्रत्येक भारतीय के हृदय में राष्ट्रप्रेम की भावना जगाता है। आज भाजपा किसान मोर्चा की इस भव्य तिरंगा यात्रा में जिस प्रकार किसान, युवा और आमजन बड़ी संख्या में शामिल हुए हैं, वह गौरव की बात है। किसानों ने हमेशा देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और किसान तिरंगा लेकर राष्ट्रभक्ति का संदेश दे रहे हैं। हमें जाति, क्षेत्र और अन्य सभी भेदभाव से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। देश की एकता, अखंडता और विकास के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। रेडक्रॉस सोसायटी अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल ने कहा तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि करोड़ों देशवासियों के गौरव, सम्मान और बलिदान का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से देशभक्ति का संदेश गांव-गांव तक पहुंच रहा है। आज किसानों, कार्यकर्ताओं और आमजन की बड़ी संख्या में भागीदारी यह दर्शाती है कि लोगों के मन में देश के प्रति कितना सम्मान और प्रेम है। समाजसेवा और राष्ट्रसेवा दोनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। हम सभी को मिलकर समाज में भाईचारा, एकता और सद्भावना को मजबूत करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष सत्यनारायण जायसवाल ने कहा भाजपा किसान मोर्चा की यह तिरंगा यात्रा पूरे क्षेत्र में राष्ट्रभक्ति और एकता का संदेश लेकर निकली है। यात्रा में किसानों और कार्यकर्ताओं की इतनी बड़ी संख्या में भागीदारी संगठन के प्रति उनके विश्वास और उत्साह को दर्शाती है। पांच गांवों में यात्रा के दौरान जिस प्रकार ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया, वह अत्यंत प्रेरणादायी है। देश के विकास में किसान की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है और किसान मोर्चा किसानों के हितों के साथ-साथ राष्ट्रहित के कार्यों को भी प्राथमिकता देता है। आज का यह आयोजन युवाओं और आमजन को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों के लिए प्रेरित करने वाला है।

भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष कपिल पांडे ने कहा भाजपा किसान मोर्चा जिला सूरजपुर द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा का उद्देश्य देशभक्ति की भावना को गांव-गांव और जन-जन तक पहुंचाना है। इस यात्रा में किसानों, भाजपा कार्यकर्ताओं, युवाओं एवं आम नागरिकों ने जिस उत्साह के साथ सहभागिता की, उससे कार्यक्रम ऐतिहासिक और भव्य बन गया। ट्रैक्टर, बाइक और कारों के लंबे काफिले के साथ जब तिरंगा लहराते हुए यात्रा आगे बढ़ी तो पूरा क्षेत्र राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग गया। पांच गांवों के भ्रमण के दौरान ग्रामीणों का उत्साह और स्वागत यह बताता है कि देश के प्रति लोगों की भावना कितनी मजबूत है। किसान मोर्चा भविष्य में भी किसानों के हितों के साथ राष्ट्रहित और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम लगातार आयोजित करता रहेगा। कार्यक्रम का संचालन अजय अग्रवाल द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन अनुज राजवाड़े ने किया। भव्य तिरंगा यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में उत्साह और उमंग का माहौल बना रहा। ट्रैक्टरों पर सवार किसान, बाइक पर चल रहे युवा तथा कारों के काफिले में शामिल कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारे लगाते हुए आगे बढ़े। देशभक्ति गीतों से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। ग्रामीणों और आम नागरिकों ने भी यात्रा के प्रति उत्साह दिखाते हुए सहभागिता की।

भाजपा किसान मोर्चा की इस भव्य तिरंगा यात्रा ने न केवल किसानों और कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार किया, बल्कि राष्ट्रभक्ति, एकता, भाईचारे और देश के प्रति समर्पण का संदेश भी जन-जन तक पहुंचाया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र की एकता और अखंडता के संकल्प के साथ हुआ। किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष कपिल पाण्डेय सत्यनारायण जायसवाल अशोक सिंह शशि नाथ तिवारी राजेशवर तिवारी अजय अग्रवाल दीपक गुप्ता अशोक गुप्ता शिवचरण नापित रामानंद जायसवाल अनुज राजवाड़े मोहन शर्मा विजय सिंह रामनारायण यादव ठाकुर प्रसाद राजवाड़े संस्कार अग्रवाल सुखदेव यादव राजेश यादव रितेश जायसवाल मनमत बछाड़ सतीश तिवारी दुर्गा गुप्ता मुकेश शर्मा अमन प्रताप नितिन तिवारी रमेश साहू श्यामू साहू शिवशंकर साहू पौधा भगवान मिश्रा शरद द्विवेदी, रामप्रताप विश्वकर्मा हीराधन राजवाड़े, बोधन राजवाड़े भुवनेश्वर साहू कपिल देव केसरी सहित काफी संख्या में किसान और आमजन उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस मुख्य समारोह के फाइनल रिहर्सल का कलेक्टर-एएसपी ने किया निरीक्षण

अपर कलेक्टर ने मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई, ध्वजारोहण कर ली परेड की सलामी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस समारोह के गरिमामय एवं व्यवस्थित आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए गुरूवार को पीजी कॉलेज ग्राउंड, अंबिकापुर में मुख्य समारोह का फाइनल रिहर्सल आयोजित किया गया। कलेक्टर अजीत वसंत एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने फाइनल रिहर्सल का निरीक्षण कर समारोह स्थल पर की जा रही तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। रिहर्सल के दौरान मुख्य अतिथि की भूमिका निभाते हुए अपर कलेक्टर सुनील नायक ने ध्वजारोहण किया तथा परेड की सलामी ली। इस अवसर पर पुलिस एवं एनसीसी कैडेट्स सहित विभिन्न दलों ने अनुशासित एवं आकर्षक परेड का प्रदर्शन किया।

फाइनल रिहर्सल के दौरान परेड कमांडर रक्षित निरीक्षक तृप्ति सिंह राजपूत तथा सेकंड इन परेड

कमांडर प्रशिक्षु पेविन वर्मा के नेतृत्व में कुल 13 प्लाटूनों ने परेड का प्रदर्शन किया। इसमें जिला पुलिस बल पुरुष प्लाटून के कमांडर प्रशिक्षु उप निरीक्षक डिगेश्वर वर्मा, जिला पुलिस बल पुरुष प्लाटून के कमांडर प्रशिक्षु उप निरीक्षक विवेक चंद्राकर, जिला पुलिस बल महिला प्लाटून की कमांडर प्रशिक्षु उप निरीक्षक भारती मार्कण्डेय, नगर सैनिक बल पुरुष प्लाटून के कमांडर प्रशिक्षु उप निरीक्षक महेश कुमार नेताम तथा नगर सैनिक बल महिला प्लाटून की कमांडर प्रशिक्षु उप निरीक्षक आशी झा शामिल रहीं। इसी प्रकार नव आरक्षक दल महिला-पुरुष संयुक्त के कमांडर नव आरक्षक 1006 समीर तिग्गा, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय एनसीसी पुरुष के जेयूओ श्रेयांश कुमार, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय एनसीसी महिला की जेयूओ प्रिंसी तिग्गा, होली क्रास वूमेन्स कॉलेज एनसीसी की एसयूओ सुश्री कुजूर, शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जूनियर डिविजन एनसीसी के उपेन्द्र राजवाड़े, सेंट जेवियर्स उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्काउट के रोहित केरकेट्टा, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गाइड्स की आस्था गुप्ता तथा अम्बिका मिशन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिरनीबेड़ा की मोनिका मिंज के नेतृत्व में विभिन्न दलों ने परेड का फाइनल रिहर्सल किया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त डीएन कश्यप, एसडीएम बनसिंह नेताम, आदिवासी सहायक आयुक्त ललित शुक्ला सहित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस बैंड, पीटी परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे

15 अगस्त को आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में पुलिस बैंड द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। इसके साथ ही पुलिस जवानों एवं स्कूली विद्यार्थियों द्वारा पीटी परेड का प्रदर्शन किया जाएगा। विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। नवोदय, कार्मेल स्कूल, हॉलीक्रॉस स्कूल, मोंटफॉर्ट, उर्सु लाइन एवं सैनिक स्कूल के विद्यार्थी देशभक्ति गीत, नृत्य एवं नाट्य रूपांतरण की प्रस्तुति देंगे। समारोह के दौरान शहीद वीर जवानों के परिवारों तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों का सम्मान भी किया जाएगा।

मंत्री रामविचार नेताम करेंगे ध्वजारोहण

80वें स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह का गरिमामय आयोजन जिले के पी.जी. कॉलेज ग्राउंड अंबिकापुर में किया जाएगा। इस अवसर पर जिले में छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण, जैव प्रौद्योगिकी, मछली पालन, पशुधन विकास विभाग मंत्री रामविचार नेताम द्वारा प्रात: 09 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके लिए मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है। आभार प्रदर्शन के बाद कार्यक्रम का समापन होगा।

भारत माता के जयकारों से गूंजा शहर, राष्ट्रीय एकता का दिया संदेश

हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकली भव्य रैली

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत गुरुवार को शहर में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। हाथों में तिरंगा लिए और भारत माता की जय, वंदे मातरम् के नारों के साथ हजारों की संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक यात्रा में हिस्सा लिया। देशभक्ति गीतों और नारों से पूरा शहर राष्ट्रप्रेम की भावना से सराबोर हो गया। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ शहर के मल्टीपरपज स्कूल से हुआ। यात्रा महामाया चौक, घड़ी चौक, गांधी चौक होते हुए गांधी स्टेडियम मैदान में सम्पन्न हुई। रास्ते भर जगह-जगह नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

तिरंगा हमारी आन-बान-शान

यात्रा में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल भी शामिल हुए और हाथ में तिरंगा लेकर चले। उन्होंने कहा कि 'तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है। यह यात्रा देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करने का माध्यम है।' उन्होंने नागरिकों से अपील की, वे अपने घर, प्रतिष्ठान और कार्यालय में तिरंगा जरूर फहराएं और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। वहीं गृह निर्माण मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव* ने कहा कि तिरंगा यात्रा के माध्यम से देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और भाईचारे का संदेश दिया जा रहा है।

स्वतंत्रता सेनानियों को याद किए कलेक्टर

कलेक्टर अजीत वसंत ने यात्रा में शामिल सभी नागरिकों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि 'जिन आदर्शों और मूल्यों को लेकर हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने आजादी की लड़ाई लड़ी, वे आज भी हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं। हमें राष्ट्रप्रेम, एकता और जिम्मेदार नागरिकता की भावना को मजबूत करना चाहिए।'

देशभक्ति के नारों से गूंजा कुन्नी, हाथों में तिरंगा लेकर निकले हजारों लोग

देशव्यापी हर घर तिरंगा अभियान के तहत भाजपा कुन्नी मंडल द्वारा गुरुवार को एक भव्य और उत्साहवर्धक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने हाथों में तिरंगा थामकर भारत माता की जय और वंदे मातरम के गगनभेदी नारों के साथ नावापारा चौक से दशहरा ग्राउंड तक निकली यात्रा निकाली। रास्ते भर देशभक्ति के गीतों से माहौल राष्ट्रभक्ति से सराबोर रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह रहीं। उनके साथ कुन्नी मंडल प्रभारी राधे श्याम सिंह ठाकुर, भाजपा जिला उपाध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद यादव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा अजीत सिंह, मंडल अध्यक्ष रवि महंत, महामंत्री विक्रम सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर भावना सिंह, भैयालाल साहू, कन्हैया सोनी, कपिल राजवाड़े, सूर्य बहादुर सिंह, युवा मोर्चा अध्यक्ष निखिल मरावी, अभय वर्मा, गोपाल सिंह, सत्यनारायण राजवाड़े, अजय सोनी, पारस राजवाड़े, विकास सिंह, संजय गुप्ता, नाजिर प्रसाद, कोमल गुप्ता, कृष्णा राठिया, सुभाष राठिया, तेज सिंह, संजय साहू, चन्दन लकड़ा, प्रतीक सिंह, विपिन सिंह, अनुप सिंह, लालु यादव सहित काफी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि एवं छोटे बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश-तिरंगा यात्रा का मुख्य उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस पर नागरिकों में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और अखंडता की भावना को मजबूत करना था। आयोजन के माध्यम से लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और 'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। यात्रा में शामिल लोगों ने देश की एकता और गौरव को बनाए रखने का संकल्प भी लिया। पूरे शहर में देशभक्ति का माहौल रहा और हर ओर सिर्फ तिरंगा ही तिरंगा नजर आया।

जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी हुए शामिल-यात्रा में जिला पंचायत अध्यक्ष निरुपा सिंह, नगर निगम महापौर मंजूषा भगत, निगम सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, भारत सिंह सिसोदिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुनील नायक, एसडीएम बनसिंह नेताम सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी और सामाजिक संगठनों के लोग शामिल हुए।

नाथल दाई मंदिर निर्माण का भूमि पूजन, जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया शिलान्यास

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर से लगे ग्राम बेनीपुर स्थित 500 वर्ष से अधिक पुराने लोक आस्था के केंद्र माता नाथल दाई धाम में गुरुवार को मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा।

सुबह 7 बजे छह बैगाओं द्वारा पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। ग्रामीणों ने अपने घरों से अक्षत और पुष्प लाकर माता नाथल दाई को अर्पित किया। पूजा-पाठ के पश्चात महाआरती और हनुमान चालीसा पाठ किया गया। इसके बाद मां महामाया की आरती हुई। महाआरती के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह ने मंदिर निर्माण के लिए विधिवत भूमि पूजन कर पांच फावड़े चलाकर निर्माण कार्य की शुरुआत की। इस अवसर पर भारत सिंह सिसोदिया, अनुराग सिंह देव, मेजर अनिल सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और श्रद्धालु उपस्थित रहे। नाथल दाई सेवा समिति* के सदस्यों ने माता के प्राचीन स्थल पर भव्य मंदिर निर्माण का संकल्प लिया।

आसपास के गांवों से पहुंचे श्रद्धालु-आयोजन में आसपास की आठ-दस ग्राम पंचायतों से बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं श्रद्धालु पहुंचे। सभी ने धार्मिक आयोजन में सहभागिता की और महाभंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के समापन पर मंदिर परिसर के मुख्य द्वार पर एक विशाल ध्वज और चारों कोनों पर चार ध्वज स्थापित किए गए। इससे पूरा परिसर धार्मिक वातावरण से सराबोर हो उठा।

500 साल पुराना लोक आस्था का केंद्र-विश्व हिंदू परिषद सरगुजा के जिलाध्यक्ष विनीत गुप्ता ने बताया कि ग्राम बेनीपुर में माता नाथल देवी के प्राचीन मंदिर के अवशेष आज भी मौजूद हैं और यहां बाउंड्रीवाल भी बनी हुई है। प्राचीन समय से ही इस स्थल पर बैगा, गुनिया, देवार एवं ग्रामीणों द्वारा पूजा-अर्चना की जाती रही है। हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक आलोक सिंह ने कहा कि, सरगुजा की लोक संस्कृति में देवी-देवताओं से जुड़े अनेक स्थल हैं, जिनका इतिहास लोकगीतों और बुजुर्गों की स्मृतियों में सुरक्षित है। नाथल दाई भी ऐसी ही लोक आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र हैं। ग्रामीणों के अनुसार यह स्थल करीब 500 वर्ष पुराना है। माता नाथल दाई को चंद्रहासिनी देवी की बहन और मां कामाख्या की छोटी बहन के रूप में पूजित माना जाता है। सरगुजा सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों में बैगा, गुनिया और देवार समुदाय द्वारा पारंपरिक पूजा-पाठ में मां महामाया और चंद्रहासिनी के साथ नाथल दाई का भी आह्वान किया जाता है।

भव्य मंदिर बनाने का संकल्प-नाथल दाई सेवा समिति के अध्यक्ष अर्जुन पटेल, उपाध्यक्ष सतीश यादव, सचिव एवं सरपंच हरिशंकर ने कहा कि, समिति इस प्राचीन लोक आस्था के केंद्र को भव्य मंदिर के रूप में विकसित करेगी। आयोजन में उमड़ी भीड़ ने इस संकल्प के प्रति क्षेत्रवासियों की आस्था को दर्शाया। कार्यक्रम में अनुज दुबे, जनमेजय मिश्रा, निलेश सिंह, ननका बैगा, पंडा ललन प्रसाद सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

दोपहिया वाहन चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार, 03 बाइक जप्त

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पुलिस अधीक्षक सरगुजा के निर्देशन में आपराधिक गतिविधियों में शामिल आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दोपहिया वाहन चोरी के मामले में थाना बतौली, लुण्ड्रा एवं मणिपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने 1 आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 03 नग चोरी की मोटरसायकल/स्कूटी जप्त की है। प्रकरण में 2 विधि से संघर्षरत बालक भी शामिल हैं।

पुलिस ने बताया गिरधारी किस्पोट्टा पिता कलम साय 33 वर्ष, निवासी ग्राम देवरी डुमरपारा थाना बतौली ने रिपोर्ट दर्ज कराया था कि 02 अगस्त की रात 9 बजे वह अपनी मोटरसायकल क्रमांक सीजी 15 डीई 1621 को घर के आंगन में खड़ा किया था। 03 अगस्त को सुबह 5 बजे देखा तो वाहन गायब था। रिपोर्ट पर थाना बतौली में धारा 303(2) बीएनएस का मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई। दौरान विवेचना मुखबिर की सूचना पर संदेही सागर कुजूर उर्फ बुतरू पिता मोतीलाल कुजूर, निवासी ग्राम बेलकोटा भगतपारा थाना बतौली पुलिस ने हिरासत में लिया और पूछताछ की तो उसने अपने साथियों के साथ मिलकर 03 चोरियां करने का पर्दाफास किया। पुलिस ने अन्य आरोपियों के कब्जे से 13 जुलाई को ग्राम बरगीडीह से चोरी की गई मोटरसायकल क्रमांक सीजी 15 डीजेड 9655 व एक्टिवा स्कूटी वाहन क्रमांक सीजी 15 ईई 9186 जप्त किया है। आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया गया। प्रकरण में शामिल विधि से संघर्षरत बालकों के विरुद्ध भी वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई में थाना बतौली से निरीक्षक विवेक सेंगर, प्रशिक्षु उपनिरीक्षक शिव कुमार ध्रुव, सउनि अरुण गुप्ता, महिला प्रधान आरक्षक मेबीस ज्योत्सना खाखा, आरक्षक राजेश खलखो, जितेंद्र, राजू कुजूर, थाना मणिपुर से उपनिरीक्षक सी.पी. तिवारी, महिला प्रधान आरक्षक मालती तिवारी, आरक्षक रमाशंकर यादव, अनिल परिहार एवं थाना लुण्ड्रा से निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, प्रधान आरक्षक नारायण मिंज, आरक्षक धीरेंद्र सिंह, राज कुमार, शिव कुमार सक्रिय रहे।

आकाशीय बिजली गिरने से खेत में रोपा लगा रही महिला की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सूरजपुर जिले के चैकी लटोरी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सुंदरगंज में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। घटना 12 अगस्त को दोपहर करीब 2 बजे की है।

सुंदरगंज निवासी मृतिका पार्वती 40 वर्ष के पति महेन्द्र ने बताया कि वह दोपहर 11 बजे खेत की जोताई करके घर आ गया था। खेत में उसकी पत्नी और करीब 4 लोग रोपा लगाने का काम कर रहे थे। उस समय बारिश हो रही थी और बादल गरज रहा था, बिजली कौंध रही थी। दोपहर करीब 2 बजे गांव का एक लड़का दौड़ता हुआ आया और बताया कि खेत में उसकी पत्नी के ऊपर आकाशीय बिजली गिर गई है और वह गिरी पड़ी है। सूचना मिलते ही महेन्द्र खेत की ओर भागा। गांव के लोग उसकी पत्नी को खेत के पास एक झोपड़ी में रखे थे। उसकी पत्नी का चेहरा काला पड़ गया था और वह बेहोशी की हालत में थी। स्वजन उसे आनन-फानन में इलाज के लिए होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे। अस्पताल पहुंचने पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष में डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतिका के पति महेंद्र खेती-किसानी करते हैं। परिवार में पत्नी के अलावा एक लड़का और 2 लड़कियां हैं। महिला की मौत से स्वजन शोकाकुल हैं। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम करके मृतका के शव का मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया है।

पानी के लिए खोदे गड्ढे में डूबे 2 साल के मासूम की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन बतौली। सरगुजा जिले के बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बांसाझाल में पानी के लिए खोदे गए गड्ढे में डूबने से 2 वर्षीय मासूम की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में मातम पसर गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 2 वर्षीय निलेश अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान खेलते-खेलते वह पानी के लिए खोदे गए गड्ढे में जा गिरा। गड्ढे में पानी भरा होने के कारण वह डूब गया और दम घुटने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। मासूम की मौत से परिवार में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर बतौली थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर घटना की जांच शुरू कर दी है।

पदमिनी कोल्हापुरी के हाथों डी.के. सोनी को मिला प्राइड ऑफ भारत अवार्ड

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा के सामाजिक कार्यकर्ता, अधिवक्ता एवं आरटीआई एक्टिविस्ट डॉ. डी.के. सोनी को जनहित, सामाजिक न्याय तथा भ्रष्टाचार के खिलाफ उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्राइड ऑफ भारत अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान 8 अगस्त को मुंबई स्थित होटल हॉलिडे इन में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया।

समारोह में प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री पदमिनी कोल्हापुरी के हाथों डॉ. सोनी को सम्मान पत्र एवं अवार्ड प्रदान किया गया। यह सम्मान उन्हें आरटीआई, जनहित याचिकाओं, सुशासन और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन मनीष बंसल, फाउंडर इनसाइटसक्सेस एंड ट्रेड मीडिया द्वारा किया गया था। समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से आए जाने-माने डॉक्टर, सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद एवं अन्य विशिष्ट व्यक्ति उपस्थित थे। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. सोनी ने कहा कि, यह पुरस्कार उन्हें जनहित, सामाजिक न्याय और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने भविष्य में भी समाज के वंचित और जरूरतमंद लोगों के अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

52वां राष्ट्रीय सम्मान-डॉ. डी.के. सोनी लंबे समय से 'सामाजिक न्याय, पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के खिलाफ सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। अपनी संस्था सरगुजा सोसाइटी फॉर फास्ट जस्टिस के माध्यम से वे आम नागरिकों को त्वरित न्याय दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने आरटीआई और जनहित याचिकाओं के माध्यम से कई महत्वपूर्ण मामलों को न्यायालयों तक पहुंचाया और अनेक मामलों में सफल कानूनी लड़ाई लड़ी है। सरकारी विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं को दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर उजागर कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई कराने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यह डॉ. सोनी का 52वां राष्ट्रीय सम्मान है। अधिवक्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा उनके शुभचिंतकों ने इसे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया है।

घर के अंदर से कार निकालकर ने गए चोर

रामानुजनगर। ग्राम हनुमानगढ़ निवासी उमेश्वर कुर्रे पिता निरंजन, 32 वर्ष की कार को घर के अंदर से अज्ञात लोग चोरी करके ले गए। उमेश्वर ने बताया कि 11 अगस्त को वह दिन में अपने इक्को कार को लेकर रामानुजनगर बाजार गया था और रात करीब 08 बजे घर वापस आने के बाद कार को घर के अंदर लॉक करके खड़ा किया था। इसके बाद रात में अपने परिवार के साथ सो गया। 12 अगस्त को सुबह करीब 07 बजे सोकर उठा तो गाड़ी नहीं थी। कार की कीमत करीब 3 लाख रुपये है, जिसे वह फरवरी 2026 में लिखापढ़ी के साथ अन्य व्यक्ति से लिया था।

केदमा में 2.42 करोड़ के विद्युत सब स्टेशन का लोकार्पण, महतारी सदन का भूमिपूजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व उदयपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम केदमा में राष्ट्रभक्ति, विकास और महिला सशक्तिकरण का अनूठा संगम देखने को मिला। ग्राम केदमा में आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री एवं अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल शामिल हुए। भारत माता की जय, वंदे मातरम् और जय हिंद के नारों से देशभक्ति से सराबोर वातावरण रहा। इस अवसर पर ग्रामवासियों को 2 करोड़ 42 लाख की लागत से निर्मित विद्युत सब-स्टेशन के लोकार्पण और महतारी सदन के निर्माण कार्य का भूमिपूजन की सौगात मिली।

ग्राम केदमा में 2 करोड़ 42 लाख की लागत से निर्मित विद्युत सब-स्टेशन का लोकार्पण क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस विद्युत अधोसंरचना के शुरू होने से क्षेत्र की विद्युत वितरण व्यवस्था को मजबूती मिलने और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। ग्रामीणों ने विद्युत सब-स्टेशन के लोकार्पण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। इसी क्रम में ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रस्तावित सदन की सौगात दी गई। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि हमारी माताएं-बहनें जितनी सशक्त होंगी, छत्तीसगढ़ उतना ही समृद्ध और मजबूत बनेगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में हर वर्ग के लोगों की उपस्थिति रही।

किशोरी का शव जंगल में मिला, पुलिस जांच में जुटी

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही। सूरजपुर जिले के नगर पंचायत जरही जंगलपारा में गुरुवार सुबह एक नाबालिग किशोरी का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान बंशीपुर के कोदवारीपारा निवासी स्व. बुधन सिंह की नाबालिग पुत्री के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही भटगांव पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, किशोरी बुधवार शाम घर से बाहर निकली थी। देर रात तक जब वह वापस घर नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। आसपास के इलाकों में खोजबीन करने के बावजूद उसका कोई पता नहीं चला। बताया जा रहा है कि, किशोरी पूर्व में भी एक-दो बार इसी तरह घर से बाहर गई थी और बाद में वापस लौट आई थी, जिस कारण स्वजन उसके लौटने की उम्मीद में तलाश करते रहे। गुरुवार सुबह जरही के जंगलपारा इलाके के जंगल में किशोरी का शव पड़े होने की सूचना मिलते ही भटगांव पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में पुलिस इसे आत्महत्या से जोड़कर देख रही है, हालांकि पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और परिस्थितियों के आधार पर पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई। स्वजन घटनास्थल पर मिली रस्सी को अपने घर का होने बता रहे हैं। पुलिस घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ ही संबंधित लोगों से पूछताछ करके घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। किशोरी के मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम पसर गया। घटना से गांव और आसपास के क्षेत्र में भी शोक का माहौल है। शव परिजनों को सौंप दिया गया है। इस दौरान भटगांव थाना प्रभारी बृजेश सिन्हा, प्रधान आरक्षक सुशील मिश्रा, आरक्षक विनोद सिंह, दिनेश ठाकुर, राधेश्याम साहू, महिला पुलिसकर्मी सहित पुलिस टीम मौके पर मौजूद रही। पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट करेगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर